शनिवार
18 मई 2024

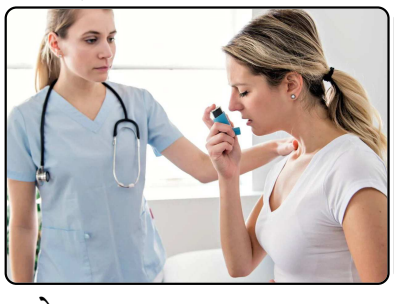

पृष्ठ 4

जानें कितनी खतरनाक है अस्थमा की बीमारी...

पृष्ठ 5

कातिलाना अदाओं से निकिता दत्ता...

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 108
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

युवावस्था आवेशमय होती है, वह क्रोध से आग हो जाती है तो करुणा से पानी भी।

— प्रेमचंद

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

यात्रियों की संख्या में कमी से सुधरे हालात

धीरे-धीरे चारधाम यात्रा हो रही है सामान्यः धामी

विशेष संवाददाता

देहरादून। चारों धामों के कपाट खुलने के साथ ही चार धाम यात्रा व्यवस्थाओं के ध्वस्त होने के कारण जो हालात बिगड़ गए थे अब वह धीरे-धीरे सामान्य होते जा रहे हैं। चार धाम यात्रा व्यवस्थाओं को लेकर शासन-प्रशासन द्वारा कई सख्त कदम उठाये गये थे जिनका असर अब दिखने लगा है। हालांकि प्रशासन की सख्ती के कारण यात्रियों की संख्या में बड़ी गिरावट आई है लेकिन अब धामों में पहुंचने वाले श्रद्धालु आसानी से दर्शन कर पा रहे हैं।

प्रारंभिक तौर में गंगोत्री-यमुनोत्री और केदार धाम में बड़ी संख्या में यात्रियों के पहुंचने से जाम के साथ-साथ अन्य तमाम तरह की समस्याएं पैदा हो गई थी। मुख्यमंत्री के दिशा निर्देश पर प्रशासन द्वारा बिना पंजीकरण आने वाले यात्रियों को रास्ते से वापस लौटने और ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन बंद किए जाने के कारण बड़ी तादाद में यात्रियों को लौटाने से धामों में पहुंचने वालों भीड़ का दबाव अब कम होता जा रहा है। यात्रियों के पंजीकरण आदि की जांच का काम आगे भी जारी रखने की बात कही जा रही है। यात्रा मार्गों पर बनाए गए चेक पोस्टों पर जांच के बाद अब यात्रियों को आगे भेजा जा रहा है।

●बिना पंजीकरण जाने वालों पर रोक
●अब आसानी से हो रहे हैं दर्शन

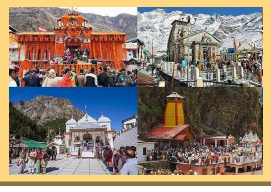

मुख्यमंत्री धामी आज लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए दिल्ली गए हुए हैं। कल जब वह यहां थे तो उन्होंने उत्तरकाशी जाकर खुद भी व्यवस्थाओं का जायजा लिया था। आज उन्होंने दिल्ली से अधिकारियों के साथ वर्चुअली वार्ता की और हालात की जानकारी ली। मुख्यमंत्री का कहना है कि अब स्थिति सामान्य होती जा रही है और जल्द ही ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिए जाएंगे। अभी 19 तक रजिस्ट्रेशन बंद है तथा धामों में वीआईपी दर्शन पर 31 मई तक रोक लगाई हुई है। भले ही सरकार व प्रशासन के इस प्रयास से हालात सुधरे हो लेकिन हजारों की संख्या में लोगों का बिना दर्शन किये वापस लौट जाना सरकार की छवि के लिए ठीक नहीं माना जा रहा है। सभी चारों धामों में अब तक चार लाख से अधिक यात्रियों के दर्शन करने की बात कही जा रही है। जहां तक व्यवस्थाओं में सुधार की बात है तो यात्रा शुरू होने के बाद अब इन व्यवस्थाओं में कोई सुधार विशेष किया जाना भी संभव नहीं है।

अवैध सम्बन्धों को लेकर मंगेतर ने ही की थी युवती की हत्या, गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। युवती की गुमशुदगी व उसकी हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने मृतका के मंगेतर को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या की यह वारदात मृतक युवती के अन्य लोगों के साथ अवैध सम्बन्धों और आपत्तिजनक फोटो के सामने आने के बाद मंगेतर द्वारा ही अंजाम दी गयी थी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल ने बताया कि बीती 15 मई को थाना भगवानपुर पहुंचे खेलडी निवासी मोहर्रम अली ने बताया कि उनकी 19 वर्षीय बेटी शौकिना 13 अप्रैल की सुबह अपनी सिकरोडा की सहेली के घर जाने की बात कहकर घर से निकली थी लेकिन अभी तक नही लौटी। परिजनों द्वारा अपनी लड़की को काफी तलाशने की कोशिश की लेकिन बेटी नही मिली और और मोबाइल भी स्वीच ऑफ मिला। मामले में पुलिस ने शिकायत के आधार पर गुमशुदगी दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी गयी। 13 मई को ही पुलिस

ने थाना बुग्गावाला क्षेत्रांतर्गत शाहमंसूर के जंगल में एक युवती का शव बरामद किया। जिसकी पहचान गुमशुदा युवती के परिजनों ने बरामद शव के हुलिया, कपड़े व जूतों को देख अपनी बेटी के रुप में की। जिस पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच में जुटी पुलिस टीम ने मृतका के मोबाइल नम्बर के आधार पर उसके मंगेतर शहराज को

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

सीएम केजरीवाल के पीए विभव कुमार को दिल्ली पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पीए विभव कुमार को सीएम हाउस से गिरफ्तार किया है। विभव कुमार पर राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से मुख्यमंत्री आवास में मारपीट करने का इल्जाम है। दिल्ली पुलिस को खबर मिली थी कि विभव कुमार दिल्ली के बाहर नहीं हैं, बल्कि सीएम आवास में ही मौजूद हैं। बीते 13 मई को राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने सीएम अरविंद केजरीवाल के पीए विभव कुमार पर गंभीर इल्जाम लगाए थे। उन्होंने इल्जाम लगाए थे कि जब वह सीएम आवास अरविंद केजरीवाल से मिलने गई थी, तो उनके साथ विभव कुमार के जरिए बदसलूकी और मारपीट की गई। इसके बाद स्वाति मालीवाल ने विभव कुमार पर मारपीट का मामला दर्ज करवाया था। वहीं, इस मामले के सीएम केजरीवाल के पीए विभव कुमार ने सांसद स्वाति मालीवाल के खिलाफ एक लिखित शिकायत दर्ज कराई है। विभव कुमार ने शिकायत में कहा, मुख्यमंत्री सुरक्षा और सीएमओ कर्मचारियों की बार-बार आपत्ति के बावजूद राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने मुख्यमंत्री आवास में जबरन और अवैध रूप से दाखिल हुई। जब उनसे पहले मुख्यमंत्री बनने का वक्त लेने को कहा तो मालीवाल ने उन्हें गालियां दीं।

श्रद्धालुओं से भरी बस में लगी आग, आठ लोग जिंदा जले

❑दो दर्जन से अधिक झुलसे, मथुरा और वृंदावन से लौट रहे थे दर्शन करके

हमारे संवाददाता

हरियाणा। कुडंली मानेसर पलवल एक्सप्रेसवे पर बीती रात श्रद्धालुओं से भरी बस में अचानक आग लग जाने से अफरा तफरी फैल गयी। हादसे में बस में सवार आठ लोग जिंदा जल गए जबकि दो दर्जन से अधिक लोग बुरी तरह झुलस गए। घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। चलती बस में आग की लपटें देख स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास करते हुए पुलिस को सूचना दी। इसके बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने बड़ी मशक्कत से आग पर काबू पा लिया। हादसे के शिकार लोग पंजाब और चंडीगढ़ के रहने वाले बताए गए हैं जो मथुरा और वृंदावन

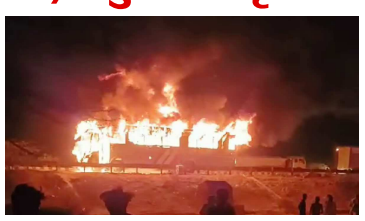

दर्शन कर लौट रहे थे। पुलिस जांच में जुट गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते रोज पंजाब और चंडीगढ़ के कुछ श्रद्धालू एक टूरिस्ट बस किराए पर लेकर बनारस और मथुरा वृंदावन दर्शन के लिए निकले थे। बस में 60 लोग सवार थे जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। यह सभी नजदीकी रिश्तेदार बताये जा रहे है। बताया जा रहा है कि वह बीती रात दर्शन कर वापस लौट रहे थे। देर रात डेढ़ बजे के करीब बस में आग की लपटें दिखाई दीं। जिस पर वहां अफरा तफरी फैल गयी। बस में सवार लोगों को किसी तरह स्थानीय ग्रामीणों ने बाहर निकाला। ग्रामीणों के अनुसार देर रात करीब 1.30 बजे एक चलती बस में उन्हें आग की लपटें दिखाई दीं। उन्होंने आवाज लगाकर चालक को बस रोकने को कहा लेकिन बस नहीं रुकी। फिर एक युवक ने मोटरसाइकिल पर सवार होकर बस का पीछा किया और चालक को आग लगने सूचना दी। इसके बाद बस रुकी लेकिन तब तक बस में आग काफी तेज हो चुकी थी। ग्रामीणों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का भरसक प्रयास किया साथ ही पुलिस को भी सूचना दी।

दून वैली मेल

संपादकीय

क्या यह हार का डर है?

2 दिन बाद 20 मई को लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में 49 सीटों के लिए मतदान होने जा रहा है। कल प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी जनसभा में कहां कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो वह सुप्रीम कोर्ट से अयोध्या के राम मंदिर निर्माण की फैसले को बदलवा देगी, प्रधानमंत्री मोदी जो 10 सालों से सत्ता शीर्ष पर है अगर उनके द्वारा ऐसी कोई बेबुनियाद बात सार्वजनिक मंच से कही जाती है तो लोग इस पर हसेंगे नहीं तो क्या करेंगे। सुप्रीम कोर्ट के फैसलों को बदलवाना इतना ही आसान होता तो फिर वह तो सत्ता में बैठे हैं। अभी सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बांड को असंवैधानिक करने का जो फैसला दिया गया है उस फैसले को उन्हें बदलवा लेना चाहिए। दरअसल प्रधानमंत्री मोदी अदालत के फैसलों और वर्तमान लोकसभा चुनाव में हार की संभावनाओं से इतने भयभीत हो चुके हैं कि वह हर रोज किसी न किसी मुद्दे पर अंट-शंट कुछ भी कह देते हैं। कभी वह कांग्रेस के घोषणा पत्र को मुस्लिम लीग का घोषणा पत्र तो कभी उसे माओवादी विचारधारा वाला घोषणा पत्र बताते हुए कहते हैं कि कांग्रेस दलितों, पिछड़ों और गरीबों से सब कुछ छीनकर उन्हें दे देना चाहती है जो ज्यादा बच्चे पैदा करने वाले हैं। कभी वह कहते हैं कि कांग्रेस सत्ता में आई तो उनकी भैंस छीन लेगी तो कभी कहते हैं कि महिलाओं ने अगर घर में मंगलसूत्र भी छुपा कर रखा है तो उसे भी एक्सरे मशीन द्वारा ढूंढ कर छीन लिया जाएगा। दरअसल इन तमाम निरर्थक बातों के जरिए प्रधानमंत्री मोदी जनता को अगर डरा रहे हैं तो इसके पीछे हार का डर नहीं तो और क्या है? देश की जनता की किसी भी समस्या पर वह कुछ भी कहने या बोलने को तैयार क्यों नहीं है? क्यों प्रधानमंत्री ने 10 सालों में एक बार भी देश के मीडिया से बात नहीं की? क्यों संसद में कभी विपक्ष की बात सुनने और उसका जवाब देने की जरूरत नहीं समझी? क्यों जनता को सिर्फ अपने मन की बात कहते रहे किसानों के महीनों-महीनों चले लंबे आंदोलन से लेकर महिला खिलाड़ियों के यौन उत्पीड़न तक मामलों पर क्यों हमेशा खामोशी साधें रहे? क्यों मणिपुर जैसी हृदय विदारक घटनाओं पर एक शब्द भी बोलने का साहस नहीं दिखा सके। अपने औचक राष्ट्रीय संबोधनों के जरिए नोटबंदी जैसे फैसला सुनाने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगर विपक्ष और आम जनता के किसी सवाल और समस्या पर कुछ बोला या किया होता तो शायद यह हालात पैदा ही नहीं होते कि राहुल गांधी जिन्हे कांग्रेस का पप्पू बना दिया गया और राहुल गांधी व प्रियंका जिन्हे बंटी व बबली बना दिया गया वह उन्हें आज इस अंदाज में न ललकार रहे होते कि मैं प्रधानमंत्री से खुली बहस के लिए तैयार हूं लेकिन मैं जानता हूं कि प्रधानमंत्री मुझसे बहस नहीं कर सकते। कल राहुल गांधी ने अपने चुनावी भाषण में कहा कि आप मुझसे जो कहे वह मैं पीएम मोदी के मुंह से बुलवा सकता हूं। यह सत्य भी है पीएम मोदी इन दिनों राहुल की नकल करते हुए खटाखट खटाखट खूब बोल रहे हैं। जिन अडानी व अंबानी पर 5 साल में एक बार भी नहीं बोले अब उनका नाम लेकर टेंपो में भर भर के कांग्रेस को भेजने की बात मोदी कह रहे हैं। मोदी है तो मुमकिन है वाले मोदी इस चुनाव में कांग्रेस की पिच पर ही खेल रहे हैं वह कैसे खेल पा रहे हैं यह देख देख कर लोग उनका खूब मजाक भी बना रहे हैं और उन्हें ट्रोल भी कर रहे हैं। जिस बाजी की जीत की घोषणा 15 अगस्त को लाल किले के प्राचीर से उन्होंने खुद की थी उस जीती हुई बाजी को वह हार भी सकते हैं इसकी उन्होंने सपने में भी उम्मीद नहीं की होगी। अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो यह शब्द जब उनके मुंह से हर रोज निकल रहे हैं तो वह यह बताने के लिए काफी है कि वह कितने भयभीत हैं हार का डर उन पर कितना हावी है।

समिति ने जिला प्रशासन से शहर के नालों की सफाई व्यवस्था की मांग की

देहरादून (सं)। नेताजी संघर्ष समिति ने जिला प्रशासन से बरसात से पहले शहर के नाले नालियों की सफाई की मांग की। आज नेताजी संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार ने एक संयुक्त बयान जारी करते हुए जिला प्रशासन से मांग की है कि वह आगामी बरसात के मौसम को देखते हुए अभी से सफाई व्यवस्था पर विशेष जोर दें। उन्होंने कहा है कि अगर अभी से नदी नालों और नालियों की साफ सफाई हो जाती है तो बरसात से कुछ हद तक जनता को राहत मिल पाएगी क्योंकि सड़कों पर नालियों का पानी नहीं बहेगा खासकर बिंदाल नदी और रिस्पना नदी में सफाई की सख्त जरूरत है। प्रभात डंडरियाल और सुरेश कुमार ने प्रशासन से उम्मीद ही नहीं विश्वास भी जताया हैं कि वह आगामी बरसात को देखते हुए सफाई व्यवस्था पर विशेष रूप से ध्यान देगा ताकि जनता को परेशानी से बचाया जा सके।

वेभ्य: कमवृणीत मृत्युं प्रजायै कममृतं नावृणीत।
बृहस्पतिं यज्ञमकृण्वत ऋषिं प्रियां यमस्तन्वं प्रारिरेचीत्।।
(ऋग्वेद १०-१३-४

परमेश्वर ने देवों अर्थात पवित्र जीवन जीने वाले और अन्य मनुष्यों के लिए किस मृत्यु का चयन किया है ? परमेश्वर ने किसी के लिए भी इस संबंध में भेदभाव नहीं किया है। मृत्यु और अमृतत्व कर्मों के आधार पर प्रभु प्रदान करता है। हमें यह जानकर यज्ञनिक अर्थात दूसरों के हित के कार्य करने चाहिए।

विकास मेरे शहर का !

पिछली स्याही का और आगे का हिस्सा (भाग तृतीय)

●नरेन्द्र कठैत

हमें तो ये लगता है कि इस शहर की -जन्म कुंडली में भी चिंता की लकीरें ही लकीरें हैं। और- जहां चिंता होती है वहां अगर 'विकास' होता भी है तो 'विकास' दिखता नहीं है।

अभी कुछ दिन पूर्व जंगल भयंकर आग से धधक रहे थे। सेना के हेलीकॉप्टर आग बुझाने में लगे हुए थे।

एक सज्जन चिंतित दिखे।

मैने कहा-' भाई साहब! क्या बात है आप चिंतामग्न हैं?'

कहने लगे-' आग लगी है।

मैंने जवाब दिया-'वास्तव में ये बहुत बड़ी क्षति है!'

उन्हे आगे कहते सुना-'भाई इस समस्या का हल आज नही तो कल होना ही है। या तो पानी बरसेगा या आग थकेगी। लेकिन एक बात बताइए! ये पेड़ लगाने का काम व्यवस्था ने किसको सौंप रखा है?

मैंने जवाब दिया- 'वैसे वन विभाग को ही सौंप रखा है।'

उन्होंने तपाक आगे पूछा- 'और जंगल की आग बुझाने का काम किस महकमें का है?'

मैंने कहा- 'मुख्यरूप से ये काम भी वन विभाग ही देखता है।'

आगे सुना- 'फिर ये दोनों काम एक ही महकमें के जिम्में क्यों हैं?'

सीधे सवाल दागा-'ये आग आपकी समस्या है या चिंता है?'

वे सर खुजलाने लगे। जानता हूं उनकी समस्या भी आग है। लेकिन उनकी समस्या से पहले श्चिंताश खड़ी हो गई है- कि एक ही विभाग के पास दो विभाग क्यों हैं? अब वे चाहकर भी आग नहीं बुझा सकते। 'विकास' के बाप को भी नहीं मालूम ऐसी चिंताओं का हल कैसे हो पायेगा?

मैंने पास ही खड़े विकास के पिता से पूछा- 'आप ही सोचिए क्या भविष्य में 'विकास' इन चिंताओं का सामना कर पायेगा?

'विकास' के पिता ने याचना भरी मुद्रा में मुझसे ही पूछा- 'बंधुवर! आप ही बताइए हमें 'विकास' के भविष्य के लिए क्या करना होगा?

मैंने 'विकास' के पिता को जवाब दिया- चिंता मत करो भ्राता! प्रजातंत्र में हम सबका एक ही पिता है। और वह है- व्यवस्था! 'विकास' को आगे बढ़ाने से पहले व्यवस्था को ऐसे चिंतित लोगों का सर्वे कराना होगा। फिर सर्वे के बाद सबकी चिंताओं का इस्टीमेट बनेगा। चिंताओं का इस्टीमेट बनने के बाद उसके लिए विधान सभा में अलग से बजट पारित कराना होगा। बजट में उसका नाम होगा- 'चिंता मद!' उस मद से ही चिंतित लोगों का इलाज होगा।

मेरे कंधे से सटा एक व्यक्ति जो अभी तक चुप था- लेकिन सुन रहा था। उसने कहा-' तब किसी को दवा मिलेगी किसी को हवा!'

एक और ने कहा- 'तब फिर हो हल्ला होगा! जो क्षति होगी उसकी भरपाई कौन करेगा?'

हमारे चारों ओर खड़े लोगों ने एक स्वर में कहा- 'विकास करेगा!'

इतना सुनते ही 'विकास' का बाप अब और भी सदमें में आ गया।

वैसे पहाड़ पर पीठ टिकाए इन शहरों में है भी क्या? सब कुछ चित्र लिखित सा! जैसे मसूरी, वैसे ही नैनीताल! मेरा शहर नगर है, उसे महानगर भी नहीं कह सकता। लेकिन न जाने क्यों किसी भी कैमरे में इस शहर का चौखटा फिट नहीं बैठता । कैमरा आधा शहर पकड़ता, आधा सफाचट कर जाता। लोग आधा शहर देखकर कहते हैं- श्अरे पौड़ी शहर इतना छोटा सा!श अब उन्हें कौन समझाए कि ये दोष है सब-कैमरे का! कैमरे की पकड़ में ये आधा आता है, आधा नहीं आता। इसलिए एक कारण ये भी है कि पर्यटक इसे छोटा शहर मानकर भी यहां नहीं आता।

एक बार मेरे एक्टर/होटलीयर मित्र आनन्द कांति ने फोन पर पूछा- 'पौड़ी के हर एक फोटो में पौड़ी का बस अड्डा दिखता। जैसे किसी किताब का गत्ता! क्या पौड़ी शहर उतना ही है दादा?' मैंने कहा-'नहीं पौड़ी शहर बहुत बड़ा है कांति दादा!' कांति दा ने फिर आगे पूछा-'फिर हर कोई केवल बस अड्डा ही क्यों दिखाता है? मैंने जवाब दिया-'दरअसल हमारा यह सोचना है कि उसी बस अड्डे से 'विकास' भागा है। इसलिए पौड़ी का नागरिक पौड़ी के बस अड्डे का फोटो हर जगह चस्पा करता है।'

कई लोग पूछते हैं पौड़ी शहर में विशेष क्या है? अब उन्हें क्या बताएं कि पौड़ी शहर में विशेष क्या है? कौन नहीं जानता है कि पौड़ी शहर इधर-उधर के गाँवों के लोगों का जमावाड़ा है! ठीक सामने हिमालय का भाल है लेकिन इस शहर में पानी का सबसे बुरा हाल है। यहां का वाशिंदा - पानी या तो श्रीनगर घाट का या ठेट नानघाट का पीता है। शहर में सब कुछ जैसे उधार का है। किंतु कहावत है- 'पौड़ी का लाल! उधार का भले ही खाता है लेकिन समय पर कर्ज चुकाता है।'

एक बात और सुनो जी! इसी शहर से जुड़ी दो कहावतें और प्रसिद्ध रही। उनमें से एक यह की- 'ब्यटा! ऐली त सही, कबि न कबि म्यरि पौड़ी (बेटा! आयेगा तो सही,कभी न कभी मेरी पौड़ी)। ये किसी को डराने धमकाने की मुंह जबानी, तरकीब थी। क्योंकि तब पौड़ी शहर बुद्धिजीवीयो, लेखकों, राजनीतिज्ञों,समाज सेवीयों,संस्कृति कर्मियों का केन्द्र ही नहीं बल्कि दादा टाइप लोगों की भी नर्सरी थी।

लिखते-लिखते एक दादा से जुड़े प्रकरण की याद आ गई। कह नहीं सकता इसमें कितना झूठ का अंश है- और कितनी सच्चाई। लेकिन आग भी कहीं यूं ही नहीं लगती। और अफवाह भी अकारण नहीं फैलती। तो बात हो रही है उन दादा की।

बात ये थी कि...रूको! उससे पहले बात ये हुई कि- व्यंग्य श्रेष्ठ मेरे अग्रज प्रो. राजेश कुमार और मित्र डॉ. लालित्य ललित ने 63 विशिष्ट व्यंग्यकारों की 63 रचनाओं एक अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि व्यंग्य संकलन सम्पादित किया है। जिसका नाम है- आँकड़ा तिरेसठ का'! इस पुस्तक में संपादक द्वय ने 'आँकड़ा तिरेसठ का क्यों नहीं हो सकता' शीर्षक के अन्तर्गत लिखा है- 'आपने 36 के आँकड़े के बारे में तो बहुत सुना होगा, लेकिन क्या कारण है कि 63 का आँकड़ा नहीं हो सकता? हिंदी देवनागरी लिपि में जब हम 36 को अंकों में लिखते हैं, तो वे एक दूसरे के खिलाफ नजर आते हैं। इसका अर्थ यह है कि उसमें विपरीत संबन्ध है। और फिर अर्थ का प्रसार होते हुए यह मुहावरा ऐसे व्यक्तियों,समुदायों,राष्ट्रों आदि के संबंध के बारे में यह अर्थ देने लगा कि उनमें विरोध का संबंध है।...तो क्यों नहीं हम तिरेसठ के आँकड़े के बारे में भी बात करें।' मैंने विस्तार से जानने के लिए व्यंग्यकार मित्र लालित्य ललित से ही जानना चाहा। पूछा- ललित भाई! अमूमन सुनने-पढ़ने में आता है- 'आँकड़ा छत्तीस का'! आँकड़ा तिरेसठ लिखने के पीछे आपका क्या कोई और कारण भी रहा? उन्होंने जवाब दिया- यार आँकड़ा छत्तीस का! अब आम हो गया।

लेकिन हमारे शहर में लगभग छः दशक पूर्व छत्तीस से जुड़ा नाम बदनाम तो हुआ-किंतु उसका नाम न हो सका। सुना है! वो एक स्टाइलिश दादा था। और अपने को कुछ अलग दिखाने के लिए कुछ न कुछ नई तरकीब सोचता रहता था। एक बार वो किसी दर्जी के पास कमीज सिलवाने गया। और दर्जी से बोला-'इस कमीज को नये फैशन में सिलना है। कमीज के दो बाजू, दो पल्ले और कॉलर तो होता ही है -'बता तू नया क्या करेगा?' दर्जी ने जवाब दिया-'दादा! जहाँ चार छः बटन टाँकने हैं- मैं आठ टाँक दूँगा।' दादा को अचानक एक आइडिया सूझा। उसने कहा- 'भाई तू बटनों की संख्या बढ़ा!' दर्जी ने फिर पूछा- 'कितने बटन टाँकू ?' दादा ने उसी रौ में कहा- 'कहने को तो कमीज के दो पल्ले आपस में जुड़े होते हैं लेकिन- वे जुड़कर भी एक नहीं होते। दोनो पल्लों के बीच 'छत्तीस का आँकड़ा' होता है। इसलिए तू इस कमीज में छत्तीस बटन टाँक।'

तो बंधुओं यूं उन दादा की कमीज में छत्तीस बटन टँके। और वे जब तक जिंदा रहे- अपने मूल नाम से नहीं -'छत्तीस बटन' नाम से ही पहचाने जाते रहे और उसी नाम से दादागिरी करते चले गए।

सोच रहा हूं! आज अगर वे छत्तीस बटन वाले दादा होते -और प्रो. राजेश कुमार और डॉ. लालित्य ललित की ये किताब 'आँकड़ा तिरेसठ का' का पढते तो दर्जी से सीधे बालते- 'भाई इस कमीज में तिरेसठ बटन टाँक।' कमीज में तिरेसठ बटन टाँकने के लिए भले ही जगह न होती -लेकिन दर्जी को टाँकने पड़ते। और दादा का हुलिया भले ही जो भी होता-तब लोग उन्हें 'तिरेसठ बटन' कहते।

विकास यात्रा जारी है...

साभार: नरेन्द्र कठैत के फेसबुक पेज से

कम मतदान बना पहेली

सुधीश पचौरी

आधा चुनाव हो चुका है। हर एंकर, रिपोर्टर, चुनाव विशेषज्ञ कहीं खुले कहीं छिपे 'कयास' लगाते रहते हैं कि कौन जीत रहा है- एनडीए' कि 'इंडी' गठबंधन, अपना मनोबल बनाए रखने के लिए हर दल, हर नेता एक मनोवैज्ञानिक युद्ध भी लड़ रहा है। हर कोई अपने पक्ष को जीतता बताता रहता है।

इसलिए भी चुनाव विश्लेषणों में एक 'असमंजस' सा बना रहता है। ऐसे विश्लेषणों को देख एंकर तक अपनी 'चुनाव चरचाओं' का यही कहके अंत करते हैं कि इंतजार करें 4 जून को 'दूध का दूध पानी का पानी' हो होगा।

हमारी नजर में इस तरह के 'असमंजस' का एक बड़ा कारण 'मतदान का कम' होना है। 'चुनाव आयोग' के आंकड़े बताते हैं कि अब तक जितना मतदान हुआ है वह 2019 की अपेक्षा कम हुआ है। 'कम मतदान' किसको मदद कर रहा है, यह सवाल मीडिया में भी पहेली बना हुआ है। 'एनडीए' के पक्षधर कहते हैं कि 'एनडीए' तीनों चरणों में एक तिहाई से अधिक की सीट जीत चुका है और इसीलिए विपक्ष का बल्ब 'फ्यूज' नजर आता है। जवाब में 'इंडी' वाले कहते हैं

कि 'लिखकर ले लो मोदी हार रहा है'। जाहिर है कि इन चुनावों का असली सवाल यही है कि वोट कम क्यों पड़ा? कुछ विश्लेषक मानते हैं कि 'कम मतदान' भाजपा के पक्ष में नहीं गया तो कुछ मानते हैं कि भाजपा के पास 'काडर' है, वो अपने वोटरों को बूथ तक ले आती है जबकि विपक्ष नहीं ला पाता क्योंकि उसके पास 'काडर' नहीं है।

'कम मतदान' के बारे में विपक्ष का कहना है कि लोग मोदी से नाराज हैं क्योंकि महंगाई है, बेरोजगारी है। इसलिए विपक्ष जीत रहा है। इसकी काट कई चुनाव विश्लेषक इस तरह करते हैं कि 'मंहगाई', 'बेरोजगारी' मुद्दे तो हैं लेकिन ये 'जनता की नाराजगी' में नहीं बदल रहे। 'जनता नाराज' होती तो वोट अधिक पड़ता। हमारे चुनाव विशेषज्ञ प्राय- 'स्विंग विशेषज्ञ' रहे हैं। 'इस' या 'उस' ओर इतने प्रतिशत 'स्विंग हो तो इतनी सीटें इधर बढ़ेंगी या उधर बढ़ेंगी..' जैसे विश्लेषण के आदी रहे हैं लेकिन 'कम वोट पड़ा' यानी 'रिवर्स स्विंग' हुआ तो किसका वोट कम हुआ..', इसके विश्लेषण के आदी नहीं हैं। बहसों में वोट कम पडने् के कई कारण बताए गए हैं- एक, 'तीखी गरमी' तो दूसरा, वोटिंग का 'शनि' या 'रवि' को होना है जबकि इन दो दिन शहरी लोग सैर-सपाटे के लिए बहर निकल जाते हैं। तीसरा कारण नेताओं का दल बदल है जिसके कारण वोटरों में निराशा है। चौथा कारण 'इंडी' दलों की सीटों का 'देर से बंदरबांट' है जिसके कारण 'वोट ट्रांसफर' नहीं हो पा रहा।

यों, एक तर्क यह भी है कि चुनाव में 'ध्रुवीकरण' की राजनीति हो रही है, इसलिए भी आम आदमी इधर या उधर कमिट नहीं करना चाहता और इसीलिए उत्साह से वोट डालने नहीं आ रहा। एक कारण यह भी बताया जाता है कि न सत्ता पक्ष के पास कहने या देने को कुछ नया है न विपक्ष के पास कहने या देने को कुछ नया है, इसलिए भी कम वोट पड़ रहा है। इसी तरह कुछ का मानना है कि चूंकि हर दल एक दूसरे को 'भ्रष्ट', 'चोर' और 'सांप्रदायिक' कहता है, और सबकी भाषा में वही 'हेट', वही 'गाली' और वही 'हिंसा' है, इसलिए भी वोटर छिटक गया है, उसका अपने नेताओं पर से यकीन उठ सा गया लगता है।

इन कारणों ने भी वोटरों में एक प्रकार का 'संशय' और 'सनकीपन' (सिनीसिज्म) पैदा किया है, इसलिए वे वोट डालने कम निकल रहे हैं। कुछ मानते हैं कि चुनावों के दो महीने से अधिक लंबा खिंचने ने भी लोगों में एक 'ऊब' और 'थकान' पैदा कर दी है। कुछ चुनाव विशेषज्ञ इस बार के चुनाव में 'युवाओं की हिस्सेदारी' के 'कम होने' पर विचार करते हुए कहते हैं कि वोट डालने के लिए बाजाप्ता रजिर्स्टड हुए कुल युवाओं में से मात्रा 17 फीसद युवाओं ने ही वोट डाला है, जो अपेक्षा से काफी कम है। इसका एक कारण बताते हुए वे कहते हैं कि चूंकि आज का युवा 'अति चंचल व्यक्तिवादी' (हाइपर इंडिविजुअलिस्ट) है, इसलिए वोट डालने में दिलचस्पी नहीं रखता। हमारा मानना है कि चूंकि आज के 'सोशल मीडिया' और 'साइबर तकनीक' ने उसे 'चौबीस बाई सात' के हिसाब से जरूरत से ज्यादा 'पॉलिटिक्स' देकर राजनीति से ही बुरी तरह 'उबा' दिया है, बोर कर दिया है, और इस तरह उसे 'अराजनीतिक' (एपॉलिटीकल) जैसा बना दिया है, इसलिए भी वह वोट डालने नहीं आता। चुनाव आयोग कोशिश कर रहा है कि वोटिंग बढ़े, इसके लिए वो विज्ञापन भी दे रहा है, जिसमें सेलीब्रिटीज लोगों से वोट डालने का आह्वान करते हैं। फिर भी वोट नहीं बढ़ रहा।

खलंगा में ना काटे जाये हरे भरे पैड़ पौधेः रुहेला

संवाददाता

देहरादून। कुटुंब परिवार सामाजिक संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण गोपाल रूहेला ने कहा कि खलंग में हरे भरे पेड पौधों को ना काटा जाये।

आज यहां अध्यक्ष कुटुंब परिवार समाजिक संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण गोपाल रुहेला ने कहा कि खलंगा में हरे भरें पैड़ पौधे ना काटे जाये क्योकि पैड़ पौधे जीवन का अधिकार है ना केवल इन से हमें प्राण वायु प्राप्त होती है अपितु हमारी हर जरुरत को पूरा कर उसकी पूर्ति प्रकृति करती है और प्रकृति का सरक्षण करना हमारा नैतिक कर्तव्य भी है। धर्म ग्रंथो में भी इसका वर्णन मिलता है और पूर्व भी उत्तराखंड ने केदारनाथ की आपदा तो देखी है। उस विनाश लीला को कभी भूलाया नहीं जा सकता है। सोंग बाँध परियोजना के नाम पर 2000 वृक्षओ पैड़ पौधे का कटान करना कतई मंजूर नहीं किया जा सकता है। कुटुंब परिवार समाजिक संगठन व राष्ट्रवादी आर टी आई एक्टिविस्ट एंड ह्यूमन राइट्स फेडरेसन भारत व गेवल धार्मिक संगठन द्वारा सरकार से मांग की कि तत्काल ही इस फैसले पर रोक लगा कर पर्यवारण का सरक्षण करना सरकार भी दायित्व कर्तव्य बनता है। जीवन के अधिकार की रक्षा के साथ मौलिक व मानवाधिकार की रक्षा करें। वृक्ष पैड़ पौध`है तो जीवन है और पर्यावरण का सरक्षण हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है।

बैठक को सम्बोधित करते हुऐ राष्ट्रीय अध्यक्ष कुटुंब परिवार समाजिक संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण गोपाल रुहेला ने कहाँ प्रकृति का सरक्षण व सवर्धन करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है ना केवल प्रकृति ने हमें जीवन दिया है अपितु भोजन व अन्य जरूरतों के साथ जीवन भी प्रदान किया है और ऑक्सीजन भी दिया है प्रकृति को बचाने के लिये हम सब को आगे आकर ना केवल वृक्षारोपण करना है अपितु जहाँ खालंगा जैसी योजनाओं के द्वारा वृक्षों को काटा जाना है उसका भी विरोध करना है वहीँ राष्ट्र वादी आर टी आई एक्टिविस्ट एंड ह्यूमन राइट्स फेडरेसन भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप सिंह ललकार ने कहाँ की सरकार की कोहि भी योजना नागरिकों के जीवन के अधिकार से बड़ी नहीं हो जाती है सरकार को योजनाओं को बनाते हुऐ जीवन के अधिकार मौलिक अधिकारों मानवाधिकारों का भी ध्यान रखना चाहिए वही दून गेवल धार्मिक संगठन के अध्यक्ष संजीव सिंह बिस्ट ने कहाँ की सरकार को तुरंत खलंगा में वृक्षों के कटान को रोकने के लिये आदेश पारित कर जीवन के अधिकार को महत्व देना चाहिए।

बैठक में वेद गुप्ता, राकेश शर्मा, राकेश भट्ट, शिवम् भट्ट, अरविन्द मल्होत्रा, मनीष रुहेला, गोपाल रुहेला, जगदीश पोखरियाल, कैलाश सेमवाल, विजेंद्र सेमवाल, अमित वर्मा, राहुल सोनकर, एडवोकेट मनीष दीपक गुसाईं, शुभम ठाकुर, हेमंत शर्मा, राजकुमार, दारा सिंह, राजेश नाथ, पारस थपलियाल, वैभव पंथ, अभिषेक, राघव, गौरव नौटियाल, मनप्रीत सिंह, गुरदीप कौर, कुलबीर, चन्नी, लक्ष्मी पाल आदि मौजूद थे।

जाम में फंसे यात्रियों को जिला प्रशासन की ओर से वितरित किए गए 2500 फूड पैकेट व पानी की बोतलें

कार्यालय संवाददाता

रूद्रप्रयाग। 11वें ज्योतिर्लिंग बाबा श्री केदारनाथ धाम के कपाट 10 मई को देश-विदेश के श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए हैं तथा केदारनाथ धाम में कपाट खुलने से लेकर अब तक श्रद्धालुओं का भारी संख्या में आना जारी है। पहले सप्ताह में ही केदारनाथ धाम में 1 लाख 83 हजार 677 श्रद्धालुओं ने बाबा केदारनाथ के दर्शन कर लिए हैं जो एक नया कीर्तिमान है। भारी संख्या में दर्शन को पहुंच रहे श्रद्धालुओं जिस कारण यात्रा मार्ग में विभिन्न स्थानों पर जाम की स्थिति बनी हुई है जिसके लिए जिला प्रशासन की टीमें एवं पुलिस विभाग के जवान व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने में लगे हुए हैं।

दर्शन करने पहुंच रहे तीर्थ यात्रियों जो जाम में फंस रहे हैं, इसके लिए

जिलाधिकारी के निर्देशन में इन यात्रियों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। जिसमें आज जिला प्रशासन की ओर से ब्यूंगगाड़, फाटा, जामू आदि क्षेत्रों में जाम में फंसे 2500 श्रदालुओं को जिला पूर्ति अधिकारी मनोज कुमार डोभाल एवं सेक्टर अधिकारी फाटा नरेंद्र कुमार एवं उनकी टीम द्वारा तीर्थ यात्रियों को उनकी गाड़ियों में जाकर फूड पैकेट एवं पानी की बोतलें वितरित की गई।

जाम में फंसे तीर्थ यात्रियों को जब जिला प्रशासन की ओर से फूड पैकेट एवं पानी की बोतले उपलब्ध कराई गई तो सभी तीर्थ यात्रियों के चेहरे पर खुशी की झलक देखने को मिली, जिससे कि सभी तीर्थ यात्रियों ने जाम में फंसे यात्रियों को फूड पैकेट एवं पानी की बोतलें उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन का बहुत-बहुत आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

भाजपा शासन में नहीं हो रही आम लोगों की सुनवाईः जोशी

संवाददाता

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री नवीन जोशी ने कहा कि भाजपा शासन काल में आम जनता की सुनवायी नहीं हो रही है।

आज यहां प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री व वॉर रूम के चेयरमैन नवीन जोशी ने कहा कि भाजपा शासन काल में आम लोगो की सुनवाई नहीं हो रही है जान जोखिम में डालकर क्षेत्रवासी हाईवे जान जोखिम मे डालकर पार रहे हैं। नवीन जोशी ने जनसंवाद से जनसमर्थन कार्यक्रम के तहत डोईवाला विधानसभा के अन्तर्गत हर्रावाला में बैठक कर स्थानीय लोगो की समस्याओं को सुना। लोगो ने जोशी को बताया कि हर्रावाला हाईवे चौक पर स्थानीय लोगो को रोड पार करने के लिये कोई अंडर पास की व्यवस्था नहीं की गई है जिस कारण क्षेत्रीय लोगो को हाईवे के बीच में ही रोड को पार करना पड़ता है जिससे यहां पर अनेकों दुर्घटनाएं हो चुकी है। इसकी शिकायत कई बार अधिकारियों से भी की गयी लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। लोगो ने यह भी अवगत कराया कि निर्मल कालोनी हर्रावाला नदी के पार है बरसात में वहां जाने के लिये पुल की भी व्यवस्था नहीं जिस कारण लोगो को बरसात में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है जो यहां की प्रमुख समस्या है। उन्हें जनता की समस्या है दिखाई ही नहीं देती सड़कों का इतना बुरा हाल है कि आये दिन वहा के निवासियों को किसी दुर्घटना का भय बना रहता है। यह भारतीय जनता पार्टी की कार्यप्रणाली पर प्रश्न खडा करता है। जिसका खामियाजा यहॉ की जनता को भुगतना पड रहा है, और बरसात के समय में यहां पर पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। जोशी ने कहा कि वे संबंधित विभाग से वार्ता कर समस्या का समाधान खोजगें। इस अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता आशीष नौटियाल, देवेंद्र सिंह, अमन उज्जेनवाल, अपील यादव, ओमप्रकाश, सुनील कुमार, प्रेम बहुगुणा आदि ने भी अपने विचार रखे।

मॉल संस्कृति के मझधार में हिचकोले खाता उपभोक्ता

-राजेन्द्र कुमार शर्मा

हाट से मॉल कल्चर तक के सफर को हमने एक लंबे समय में तय किया है। याद करिए वो समय जब अलग-अलग सामान के लिए हमें अलग-अलग दुकानों पर जाना पड़ता था। पंसारी की दुकान, कपड़े की दुकान, तेल के लिए कोल्हू, आटे के लिए आटा चक्की, बेकरी उत्पाद के लिए कंफेक्शनरी शॉप पर, सौंदर्य प्रसाधन के समान के लिए कॉस्मेटिक शॉप पर, बर्तनों के लिए अलग शॉप, इलेक्ट्रॉनिक्स सामान के लिए अलग दुकान आदि-आदि ऐसे कितने ही उदाहरण हैं जब हम बाजार में एक दुकान से दूसरी दुकान पर अपनी जरूरत की चीजें खरीदते हुए पूरे बाजार का भ्रमण कर लेते थे। धीरे-धीरे दुकानों की जगह सुपर बाजार या सुपरमार्केट ने ली जो हमारे जमाने के जनरल स्टोर की तरह होता था, जिसमें घर की सभी छोटी-मोटी चीजें एक ही जगह पर मिल जाती थी। धीरे-धीरे ये ही सुपर बाजार ही मॉल में परिवर्तित हो गए।

मॉल कल्चर वास्तव में लोगों की मानसिकता को ध्यान में रखकर ही बाजार में लाया गया है। मॉल को पूरी तरह से लोगों के आकर्षण का केंद्र बनाकर ही इसकी योजना की गई है। मॉल के बाहर ही खाने पीने की स्वादिष्ट गर्म, ठंडे, चटपटे व्यंजन ग्राहक को अपनी ओर आकर्षित करते है, मॉल अपने नाम के अनुसार हर छोटी चीज को बड़ा और ग्लैमर के साथ दिखाता है। यहां तक कि अपने नाम को भी, बड़े-बड़े अक्षरों में अंकित करवाता है ताकि लोग दूर से पढ़ सकें और जान सकें कि यहां आसपास कोई मॉल है। अगर आप भी किसी भी मॉल में गए हों और आपने गौर फरमाया हो तो आपको वहां बहुत सी चीजें दिखाई देती है, जो बड़ी सरलता और सहजता से आपके नजर में आ जाती है। क्योंकि ये उस मॉल की विक्रय नीति का ही एक अभिन्न अंग है, वो उनकी रचना ही ऐसे करते है कि आपको नजर आते ही आपको उसे खरीदने की इच्छा होती है।

एक और महत्वपूर्ण बात जिस पर कम ही लोग गौर करते हैं, वो है मॉल में समय देखने के लिए घड़ी न होना। कोई भी मॉल में घड़ी नहीं होती है। इसका कारण है ग्राहक को समय की बंदिशों से दूर ले जाना। ताकि आप जब भी मॉल में जाएं तो आपको समय का आभास ही न हो और आप शॉपिंग करना तब तक जारी रखे जब तक आपकी जेब खाली न हो जाए। कभी अनुभव कीजिए, अगर आपको सौ रुपये का सामान लेना है तो आप मॉल में हजार रुपये खर्च करके आ जाते हैं। आप ऐसे समान भी खरीद लेते हैं जिसकी आपको जरूरत नहीं होती, पर उस पर लिखे कम मूल्यों को देखकर आप थोड़ा लालच में आ जाते हैं और ये सोचकर खरीद लेते हैं कि भविष्य में काम आएगी। अर्थात आप अपनी एक नई जरूरत भविष्य के लिए तैयार कर लेते हैं। जो आज तक आपकी जरूरी चीजों की सूची में नहीं थी।

मॉल कैसे ग्राहक को जेब से पैसा निकालते हैं और कैसे 100 रुपए की वस्तु को 200 रुपए में बेच देते हैं या आप खरीदने एक पेंट जाते हैं जबकि खरीद के 3-3 पेंट शर्ट आते हैं। इसे भी समझने की जरूरत है। कोई सामान आपको बाजार मे 400 में मिल सकता है। मॉल में उसकी कीमत 1000 दर्शाई जाएगी। साथ ही उस पर एक 50 प्रतिशत छूट का टैग लगा दिया जाएगा। इससे उसकी कीमत 500 हो जाएगी। आप छूट के इस जाल में आसानी से आ जाएंगे। यह आपको तब महसूस होगा जब आप बाजार में जाकर उसकी कीमत मालूम करेंगे। तब पता चलेगा कि जो सामान आपने छूट लेकर खरीदा है, बाजार में वह सामान बिना छूट के ज्यादा सस्ता है। इसी प्रकार एक वस्तु खरीदो तो एक फ्री पायो या तीन पेंट या शर्ट खरीदो बदले में 2 पेंट या शर्ट फ्री पायो।कुछ ऐसे टैग है कि देखकर कोई भी व्यक्ति आसानी से जाल में फंस जाए और होता भी यही, जबकि ग्राहक समझ ही नहीं पाता है कि कोई भी ब्रांड अपनी चीजें फ्री में नहीं देता और बिना मुनाफे के भी नहीं देता है। जैसे आपने एक शर्ट खरीदी, उस पर अंकित कीमत 2999 रुपए है, बाय वन गेट वन के अंतर्गत आपको एक शर्ट फ्री में दे दी गई। यानी की आपको एक शर्ट लगभग 1500 रुपए की पड़ी, जबकि बाजार में उसी शर्ट की कीमत 1000 रुपए से ज्यादा नहीं पड़ती सीधा मतलब है कि आप 2000 रुपए में दो शर्ट खरीद ही सकते थे परंतु बाय वन गेट वन के लालच में वो ही 2 शर्ट आपने 3000 रुपए में पड़ती है। मॉल के इस कल्चर से ब्रांड को मुनाफा तो होता ही है साथ ही उसकी सेल में वृद्धि होती है। क्योंकि एक शर्ट की जगह दो शर्ट खरीदी जाती हैं। इस प्रकार यह सामानों की बिक्री की एक विपणन नीति होती है जिसमें उच्च स्तरीय महंगे सामानों को सस्ते में खरीदने की लोगों की मानसिकता का लाभ उठाया जाता है।

इसी लिए मॉल कल्चर लोगों को खर्चिला बना रहा है। और लोग भी स्टेट्स के नाम पर आंख मिचकर पैसे खर्च कर देते है। रही सही कसर क्रेडिट कार्ड देकर बैंक प्रणाली ने पूरी कर दी। जेब में पैसा नही है तब भी कोई चिंता की बात नहीं ए प्लास्टिक मनी आपको आज खर्चों कल भरो का ऑप्शन देती है। पर कितना खर्चों इसकी मॉल में जाने के बाद कोई सीमा नहीं होती। *(ये लेखक के अपने विचार हैं)*

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

-प्रबंधक विज्ञापन

जानें कितनी खतरनाक है अस्थमा की बीमारी, इसके अटैक से बचने के लिए क्या-क्या करना चाहिए

अस्थमा के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। भारत ही नहीं पूरी दुनिया में इस बीमारी का खतरा बना हुआ है। अस्थमा अटैक में फेफड़े और वायुमार्ग प्रभावित होते हैं। एक आंकड़े की माने तो अस्थमा से दुनिया में होने वाली कुल मौतों में से करीब आधी यानी 46 फीसदी भारत में ही होती है, जिसकी संख्या 2 लाख के आसपास है। अस्थमा होने पर फेफड़ों से हवा को अंदर और बाहर ले जाने वाली नलिकाओं पर असर पड़ता है। इसकी वजह से वायुमार्ग में सूजन और संकुचन हो जाता है, जिससे बहुत ज्यादा दर्द, सांस छोड़ते समय घरघराहट की आवाज हो सकती है। ऐसे में आइए जानते हैं अस्थमा अटैक का कारण, इससे बचाव के लिए क्या करना चाहिए।।।

अस्थमा के क्या खतरे हैं

एक्सपर्ट्स का कहना है कि अस्थमा में सांस लेने में दिक्कतें होती हैं और घरघराहट की आवाज आती है। इसकी वजह से सांस लेने की प्रक्रिया बाधित हो सकती है। प्रदूषण बढ़ने, लाइफस्टाइल में बदलाव और कई अन्य कारणों से अस्थमा का अटैक हो सकता है। डॉक्टर्स का कहना है कि अस्थमा के ट्रिगर को समझना है तो सबसे पहले इसके लक्षणों और बचाव को जानना चाहिए, जिससे समस्या गंभीर होने से पहले ही बचा जा सके।

अस्थमा से बचने के लिए क्या करें

धूल और प्रदूषण से बचें

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, पराग, धूल के कण, फफूंद और जानवरों के बाल एलर्जी के कारक हो सकते हैं। ऐसी चीजें जब शरीर में पहुंचती हैं तो प्रतिक्रिया कर सकती हैं, जिससे वायुमार्ग में सूजन और संकुचन बढ़ सकता है। ऐसा होने पर अस्थमा के मरीजों की समस्याएं बढ़ सकती हैं, इसलिए इनसे बचाव करते रहना चाहिए। बाहर जाएं तो हर उपाय अपनाएं, जिनसे धूल और प्रदूषण से बच सकें।

वायरल इंफेक्शन बन सकती है समस्या

सर्दी या फ्लू जैसे वायरल इंफेक्शन पहले से संवेदनशील वायुमार्ग को प्रभावित कर सकता है, जिससे अस्थमा के लक्षण बढ़ सकते हैं, इसलिए अस्थमा के मरीजों को इससे बचकर रहना चाहिए। ठंडी हवा, नमी और अचानक से तापमान गिरने या बढ़ने पर बढ़ सकती हैं, जिससे अस्थमा का अटैक हो सकता है।

अस्थमा को मैनेज करें

डॉक्टर्स का कहना है कि अगर अस्थमा को सही तरह मैनेज किया जाए तो इसका खतरा कम रहता है। फिजिकल एक्टिविटीज, संतुलित आहार और सांस लेने का नियमित अभ्यास इससे बचाने में मदद कर सकता है, ज्यादा दिक्कतें होने पर डॉक्टर से बात करें। (आरएनएस)

मां के साथ अपने रिश्ते पर बोलीं एक्ट्रेस नकियाह हाजी, वह मेरी ताकत है

अपनी मां के साथ स्पेशल बॉन्ड पर बात करते हुए एक्ट्रेस नकियाह हाजी ने कहा कि वह अपनी जिंदगी में सबसे ज्यादा भरोसा उन पर करती हैं और उनके लिए वह एक चट्टान की तरह हैं।

शो शैतानी रस्में में निक्की की भूमिका निभाने वाली एक्ट्रेस ने कहा, मां का जिक्र ही मुझे खुशी से भर देता है। मेरी मां के साथ मेरा रिश्ता अटूट है। अपनी जिंदगी में मैं हर चीज के बारे में उन पर भरोसा करती हूं। वह सिर्फ मेरी मां नहीं है, वह

नकियाह हाजी ने कहा, मेरे लिए वह किसी सुपरहीरो से कम नहीं है। मैं सचमुच मानती हूं कि सभी माओं में यह असाधारण शक्ति होती है, वह हमारे बताने से पहले ही जान जाती है। वे हमें बहुमूल्य सीख देती हैं। हमें आदर्श इंसान बनाती हैं। पिछले दिनों उन्होंने कहा, हम अविश्वसनीय रूप से भाग्यशाली हैं कि हमारी जिंदगी में ऐसी अविश्वसनीय महिलाएं हैं, जो हर कदम पर हमारा मार्गदर्शन और समर्थन करती हैं। यहां मौजूद सभी माओं के लिए, आप सभी अपने आप में सुपरहीरो हैं, और मैं आप में से प्रत्येक को मदर्स डे की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देती हूं। यह शो स्टार भारत पर प्रसारित होता है।

शब्द सामर्थ्य - 83

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संस्था 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

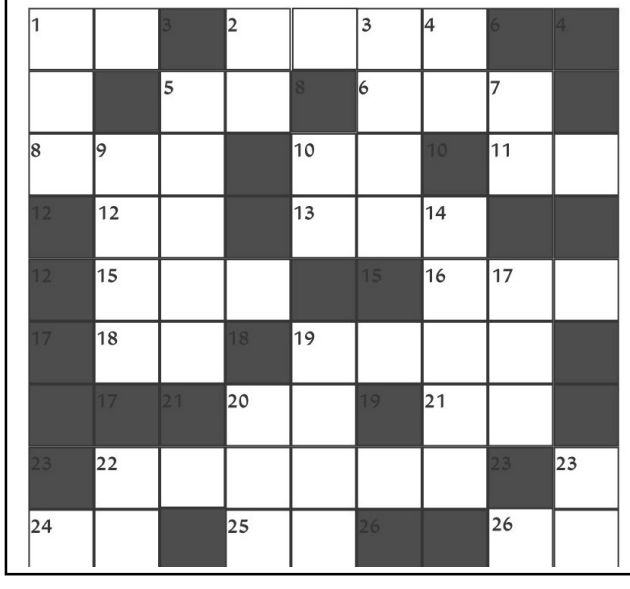

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 82 का हल

स्वा	द		सा	म	ना		कै	दी
व		ख	ल	ना	य	क		वा
लं	प	ट		ना	क	क	ट	ना
बी		प				ड़ी		प
	अ	ट	प	टा			शा	न
स	ह		यो			र	ति	
ह	म		द	र	ब	द	र	
म	क	र		सी	ल			
त		क्षा		द	वा	खा	ना	

आदिशक्ति वर्कशॉप ने मुझे गहरी समझ दी : अपूर्वा अरोड़ा

हाल ही में स्ट्रीमिंग सीरीज फैमिली आज कल में नजर आने वाली अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ऑरोविले में आदिशक्ति वर्कशॉप में भाग लेने के बाद रविवार को मुंबई लौट आईं।

एक?ट्रेस ने वर्कशाप में अपनी दिनचर्या के बारे में बात की और कहा कि इससे उन्हें एक कलाकार के रूप में खुद के बारे में गहरी समझ मिली है।

अभिनेत्री ने आदिशक्ति वर्कशॉप में भाग लेने की इच्छा मन में रखी थी। हालांकि उनका व्यस्त कार्यक्रम और अपने काम के प्रति प्रतिबद्धता हमेशा उनकी योजनाओं में बाधा बनती थी। इस बार अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद वह वर्कशॉप के लिए समय निकालने में सफल रहीं।

अपने अनुभव पर बात करते हुए अपूर्वा ने कहा कि यह बेहद समृद्ध और परिवर्तनकारी था, जिससे उन्हें अभिनय और जीवन पर एक नया दृष्टिकोण मिला।

अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए अपूर्वा ने बताया, मैं वर्षों से आदिशक्ति वर्कशॉप में भाग लेना चाहती थी, लेकिन मेरी कार्य प्रतिबद्धताओं ने मुझे कभी ऐसा करने की अनुमति नहीं दी। इस बार मैंने इसे प्राथमिकता दी और मुझे खुशी है कि मैंने ऐसा किया। वर्कशॉप ने न केवल मेरे अभिनय कौशल को बढ़ाया है, बल्कि कलाकार के रूप में मुझे गहरी समझ भी दी है। यह वास्तव में जीवन बदलने वाला अनुभव था।

उन्होंने ऑरोविले में रहने के दौरान की अपनी दिनचर्या भी शेयर की, साथ ही अपनी सीखने की प्रक्रिया के बारे में भी बात की।

उन्होंने कहा, मैंने कई अलग-अलग तरह की कक्षाएं लीं, जिनमें केरल का मिझावु ड्रम बजाना सीखना, पानी के भीतर सांस लेने के व्यायाम और कलरीपायट्टु सीखने के साथ चरित्र निर्माण में सहायता के लिए विभिन्न उपकरण सीखने पर ध्यान केंद्रित किया।

हम सुबह 7 बजे रिपोर्ट करते थे। कक्षाएं सुबह 9 बजे तक चलती हैं, कभी-कभी देर तक भी चलती थीं। बीच-बीच में छोटे-छोटे ब्रेक होते थे, लेकिन वह ज्यादातर काम करने और अगली कक्षा के लिए तैयारी करने में व्यतीत होता था।

अपूर्वा अगली बार रोहन सिप्पी के निर्देशन में बनी फिल्म अनरियल में नजर आएंगी। (आरएनएस)

राजकुमार राव स्टारर श्रीकांत दर्शकों का दिल जीतने में रही कामयाब!

राजकुमार राव बॉलीवुड के मोस्ट वर्सेटाइल एक्टर्स में से एक हैं. फिलहाल एक्टर अपनी लेटेस्ट रिलीज फिल्म 'श्रीकांत' में अपनी दमदार एक्टिंग से खूब तारीफ बटोर रहे हैं. 'श्रीकांत' इस शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. फिल्म की शुरुआत थोडी धीमी रही लेकिन वीकेंड पर इसकी कमाई में जबरदस्त उछाल आया है. चलिए जानते हैं 'श्रीकांत' ने रिलीज के तीसरे दिन यानी अपने पहले संडे को कितने करोड़ का कलेक्शन किया है?

राजकुमार राव स्टारर बायोग्राफिकल ड्रामा' श्रीकांत' के शानदार ट्रेलर के बाद से ही ये फिल्म काफी चर्चा में थी और इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा था. वहीं सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद इस फिल्म को क्रिटिक्स और ऑडियंस से पॉजिटिव रिव्यू मिला है. फिल्म में राजकुमार राव की जबरदस्त एक्टिंग और इसकी इंस्पायरिंग कहानी की काफी तारीफ हो रही है. हालांकि फिल्म की ओपनिंग थोड़ी ठंडी रही लेकिन वीकेंड पर इसने कमाल कर दिखाया और दमदार कलेक्शन कर डाला.

'श्रीकांत' की कमाई की बात करें तो इस फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 2.25 करोड़ का कलेक्शन किया था. दूसरे दिन यानी शनिवार को 'श्रीकांत' की कमाई में 86.67 फीसदी की तेजी आई और इसने 4.2 करोड़ की कमाई की. वहीं अब इस फिल्म की रिलीज के तीसरे दिन यानी संडे की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं.

सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'श्रीकांत' ने रिलीज के तीसरे दिन यानी पहले संडे को 5.5० करोड़ की कमाई की है. इसी के साथ 'श्रीकांत' का तीन दिनों का कुल कलेक्शन अब 11.95 करोड़ रुपये हो गया है.

बता दें कि बॉक्स ऑफिस पर पिछले काफी समय से मायूसी पसरी हुई है. अक्षय कुमार-टाइगर श्रॉफ की बड़े मियां छोटे मियां और अजय देवगन की मैदान सहित कई फिल्में टिकट काउंट पर फुस्स साबित हुई हैं ऐसे में 'श्रीकांत' ने बॉक्स ऑफिस पर खोई रौनक लौटा दी है. इस फिल्म ने रिलीज के तीन दिन में ही 11 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है. अच्छी माउथ पब्लिसिटी फिल्म के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकती है. ऐसे में मिड बजट में बनी ये फिल्म आने वाले दिनों में अच्छा कलेक्शन कर सकती है. वैसे भी मई महीने में कोई और फिल्म रिलीज नहीं हो रही है. इसलिए 'श्रीकांत' के लिए कमाई करने का अच्छा मौका है.

तुषार हीरानंदानी द्वारा निर्देशित, 'श्रीकांत' दृष्टिबाधित उद्योगपति श्रीकांत बोल्ला की इंस्पायरिंग लाइफ पर बेस्ड हैं.इस फिल्म में राजकुमार राव ने श्रीकांत बोल्ला का लीड रोल प्ले किया है. फिल्म में ज्योतिका, अलाया एफ और शरद केलकर ने भी अहम रोल निभाया है. इस फिल्म को टी-सीरीज़ और चॉक एन चीज़ फिल्म्स प्रोडक्शंस द्वारा बनाया गया है.

कातिलाना अदाओं से निकिता दत्ता ने बरपाया कहर

कबीर सिंह फेम निकिता दत्ता हमेशा अपने बोल्डनेस और हॉटनेस के कारण लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट कर एक बार फिर से फैंस को अपने हुस्न का कायल कर दिया है।

एक्ट्रेस निकिता दत्ता हमेशा अपने गॉर्जियस लुक्स से फैंस का दिल जीत लेती हैं। उनका हर एक लुक इंस्टा पर पोस्ट होते ही तेजी से वायरल होने लगता है।

हाल ही में निकिता दत्ता ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अवतार लोगों के बीच छा गया है।

निकिता दत्ता ने अपने फोटोशूट के दौरान रेड कलर का बैकलेस आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो काफी हॉट एंड ग्लैमरस लग रही हैं। बालों का बन बनाकर और न्यूड मेकअप कर के एक्ट्रेस निकिता दत्ता ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि एक्ट्रेस निकिता दत्ता कैमरे के सामने एक से बढक़र एक सेक्सी पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स पर अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। एक यूजर ने उनकी फोटोज पर कॉमेंट्स करते हुए लिखा सो हॉट तो वहीं दूसरे यूजर ने लिखा सो ब्यूटिफुल।(आरएनएस)

श्रीकांत तिवारी बन फिर धूम मचाने को तैयार मनोज बाजपेयी

मनोज बाजपेयी की मोस्ट पॉपुलर सीरीज द फैमिली मैन सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली सीरीज में से एक है। वहीं दूसरे सीजन के लिए रिन्यू की गई इस सीरीज की स्टार कास्ट को बहुत प्यार मिला है और दर्शक इसके तीसरे पार्ट का लंबे समय से बेसब्री से इंतजार कर रहे थे जो की अब खत्म हो चुका है। प्राइम वीडियो ने द फैमिली मैन 3 की शूटिंग को लेकर अपडेट शेयर कर दी है। इस सीरीज का तीसरा सीजन जल्द ही रिलीज होने वाला है। डायनेमिक जोड़ी राज और डीके की द फैमिली मैन 3 से एक बार फिर मनोज बाजपेयी श्रीकांत तिवारी बन धमाका करने को तैयार हैं।

मनोज बाजपेयी ने आखिरकार फैमिली मैन 3 की शूटिंग शुरू कर दी है। प्राइम वीडियो ने सोशल मीडिया पर तीसरे सीजन की शूटिंग शुरू होने की घोषणा करते हुए स्टार कास्ट की तस्वीर भी शेयर की है। अपकमिंग सीरीज को राज और डीके की जोड़ी ने अपने बैनर डी2आर फिल्म्स के तहत बनाया है। मनोज बाजपेयी एक बार फिर श्रीकांत तिवारी के दमदार किरदार में नजर आने वाले हैं। अभी तक इसकी रिलीज डेट को लेकर कोई भी अपडेट सामने नहीं आई है।

फैमिली मैन के दोनों सीजन के हिट होने के बाद अब इसका तीसरा सीजन भी जल्द ही रिलीज होने वाला है। वहीं फैमिली मैन 3 को लेकर सोशल मीडिया पर जबरदस्त बज बना हुआ है। फैमिली मैन 3 की शूटिंग की घोषणा करते हुए प्राइम वीडियो ने दो फोटो शेयर की है। पहली तस्वीर में क्लैपिंग बोर्ड दिख रहा है। (आरएनएस)

वेब सीरीज हीरामंडी : मुजरा करती दिखीं अदिति राव हैदरी

टॉप ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर इस वक्त दिग्गज डायरेक्टर संजय लीला भंसाली की शानदार सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार धमाका कर रही है। हीरामंडी नेटफ्लिक्स पर अब तक की सबसे ज्यादा देखी जाने वाली सीरीज बन गई है। हीरामंडी संजय लीला भंसाली की डेब्यू सीरीज है। सीरीज दर्शकों को खूब भा रही है। फिल्म देश ही नहीं बल्कि विदेशी दर्शकों को भी अपनी ओर खींच रही है। इस बीच फिल्म का एक और गाना सैयां हटो जाओ रिलीज हो गया है। सैयां हटो जाओ को संजय लीला भंसाली ने खुद कंपोज किया है। इस गाने के बोल और मुखड़ा संजय लीला भंसाली, अंत्रा और एएम तुराज ने लिखे हैं। सैयां हटो जाओ को बर्नाली चटोपाध्याय ने अपनी बेहतरीन आवाज दी है। फिल्म में यह गाना खासतौर पर वली मोहम्मद के किरदार में दिख रहे एक्टर फरदीन खान और अदिति राव हैदरी के ऊपर फिल्माया गया है। गाने में अदिति राव अपने किरदार में वली मोहम्मद के सामने मुजरा करती दिख रही हैं।

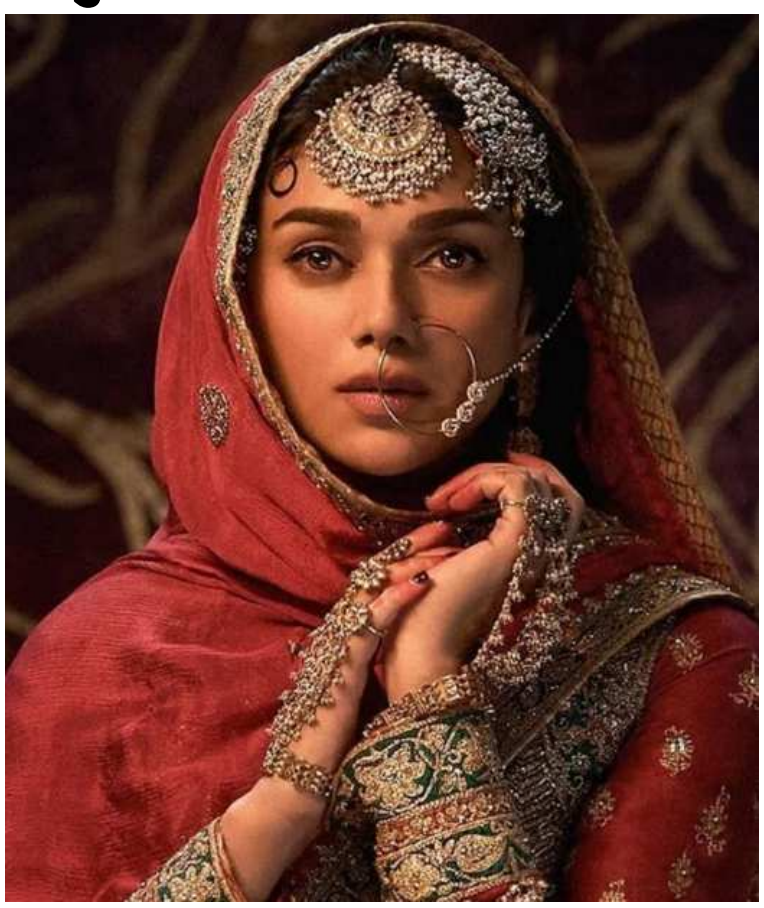

शेयर बाजार में मौजूदा हलचल के मायने

अशोक शर्मा

बीते शुक्रवार को कारोबारी हफ्ते के आखिरी दिन निफ्टी 50 और बैंक निफ्टी के प्रदर्शन ने निराशाजनक हफ्ते का संकेत दिया। करीब दो महीने में शेयर बाजार का यह सबसे खराब हफ्ता रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसइ) का वोलाटिलिटी इंडेक्स 11 सत्रों से लगातार बढ़ता जा रहा है। अप्रैल में यह कम रहा था, पर अब आशंका उच्च स्तर पर है।

यह इंडेक्स निफ्टी 50 सूचकांक के शेयर मूल्यों के अग्रिम अनुमान के आधार पर अगले 30 दिनों में बाजार के उतार-चढ़ाव का आकलन करता है। एनएसई ने फरवरी 2014 में इंडिया वोलाटिलिटी इंडेक्स के आधार पर अग्रिम अनुबंधों का कारोबार करना शुरू किया था। वोलाटिलिटी इंडेक्स और निफ्टी 50 इंडेक्स नकारात्मक तरीके से एक-दूसरे से संबद्ध हैं। इसका अर्थ है कि आम तौर पर ये दोनों विपरीत दिशा में जाते हैं।

जब निफ्टी 50 सूचकांक बढ़ता है, तो सामान्य रूप से वोलाटिलिटी इंडेक्स नीचे का रुख करता है। जब वोलाटिलिटी इंडेक्स नीचे जाता है, तो शेयर बाजार में तेजी का माहौल देखने को मिलता है। अभी इंडिया वोलाटिलिटी इंडेक्स 19 के ऊपर है, तो यह माना जा रहा है कि इस सप्ताह भी स्टॉक मार्केट में उथल-पुथल रहेगी, हालांकि सोमवार को बहुत मामूली सुधार देखने को मिला है।

कई विशेषज्ञों में इस बात पर सहमति बनती दिख रही है कि मौजूदा उथल-पुथल की मुख्य वजह लोकसभा चुनाव के परिणामों की अनिश्चितता है। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि सत्तारूढ़ दल को पहले के अनुमानों से कहीं कम सीटें मिल सकती हैं। हालांकि आम तौर पर अभी भी यही अनुमान है कि सत्तारूढ़ दल को तीसरी बार सरकार बनाने का जनादेश मिलेगा, लेकिन सामान्य बहुमत नीतिगत सुधारों को आगे बढ़ाने की क्षमता को प्रभावित कर सकता है।

इन सुधारों में मुख्य रूप से इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाना तथा चीन के एक संभावित विकल्प के रूप में वैश्विक आपूर्ति शृंखला में भारत की हिस्सेदारी में बढ़ोतरी करना शामिल हैं। भाजपा ने अपने चुनाव अभियान की शुरुआत 400 से अधिक सीटें जीतने के दावे के साथ की थी, लेकिन अब लगने लगा है कि ऐसा परिणाम नहीं आयेगा। विभिन्न चरणों में मतदान प्रतिशत में कमी भी बढ़ती चिंता में योगदान कर रही है। चुनाव के दौरान बाजार में उतार-चढ़ाव असामान्य बात नहीं है। वर्ष 2019 में मतों की गिनती से पहले के एक महीने में वोलाटिलिटी इंडेक्स 20 प्रतिशत से अधिक हो गया था।

मौजूदा उतार-चढ़ाव में कुछ अन्य कारकों का भी योगदान है। पिछले महीने विदेशी संस्थागत निवेशकों ने लगातार बिकवाली की थी। इस बिकवाली की वजह यह थी कि तब यह साफ हो गया था कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में जल्दी कोई कमी नहीं करेगा। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में बढ़ोतरी हो रही है तथा रोजगार के आंकड़े भी बढ़ रहे हैं। लेकिन मुद्रास्फीति अभी उस स्तर पर नहीं आयी है, जैसी फेडरल रिजर्व की इच्छा है।

इसलिए फेडरल रिजर्व अभी इंतजार कर रहा है और इसके लिए उसे अच्छे सकल घरेलू उत्पाद और रोजगार के बढ़ते अवसरों से महत्वपूर्ण समय भी मिल रहा है। अमेरिका में अधिक ब्याज दर होना हमेशा भारत समेत अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं से पूंजी के पलायन के लिए कारक बन सकता है। इसी बीच भारतीय रिजर्व बैंक ने इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के लिए धन मुहैया कराने के संबंध में बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं के लिए नये नियमों का प्रस्ताव रखा, जिससे देनदार और इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों में बेचैनी है।

प्रस्तावित नियमों में कर्ज के बढ़ते दबाव की गहन निगरानी का प्रावधान भी है। यदि ये नियम लागू हो जाते हैं, तो इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों द्वारा लिये जाने वाले कर्ज का खर्च बढ़ सकता है। साथ ही, देनदार बैंकों और वित्तीय संस्थानों के मुनाफे पर भी नकारात्मक असर पड़ सकता है। इसी वजह से निवेशकों ने पिछले सप्ताह स्टॉक मार्केट खुलते ही बैंकों, वित्तीय संस्थाओं तथा इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों के शेयरों को भारी मात्रा में बेचना शुरू कर दिया।

बीते सप्ताह में सोमवार और मंगलवार को सार्वजनिक उपक्रम पॉवर फाइनेंस कॉर्पोरेशन और रुरल इलेक्ट्रिफिकेशन के शेयरों के दाम में क्रमशः 12.6 और 8.9 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गयी। इसी प्रकार अनेक इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों, मसलन- एनबीसीसी, एचजी इंफ्रा और केएनआर कंस्ट्रक्शन, के शेयरों में बड़ी गिरावट दर्ज की गयी। निजी क्षेत्र के बैंकों की तुलना में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों को अधिक आघात सहना पड़ा। केनरा बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शेयरों के मूल्य में क्रमशः 7.8, 6.2 और 3.3 प्रतिशत की कमी आयी।

एलआईसी को भी 5.7 प्रतिशत का झटका लगा। व्यापक उथल-पुथल के साथ-साथ इन सभी कारकों की वजह से शेयर मार्केट में मौजूदा गिरावट देखने को मिल रही है। इस सप्ताह के पहले कारोबारी सत्र में सेंसेक्स में मामूली सुधार हुआ है, लेकिन ऐसा लगता है कि लोकसभा चुनाव के नतीजे आने तक यह स्थिति बनी रह सकती है। उसके बाद कुछ स्थिरता की अपेक्षा की जा सकती है। तब तक स्टॉक मार्केट के निवेशकों, विशेष रूप से खुदरा निवेशकों, को खरीदारी और बिकवाली में सचेत रहना और संयम रखना चाहिए। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

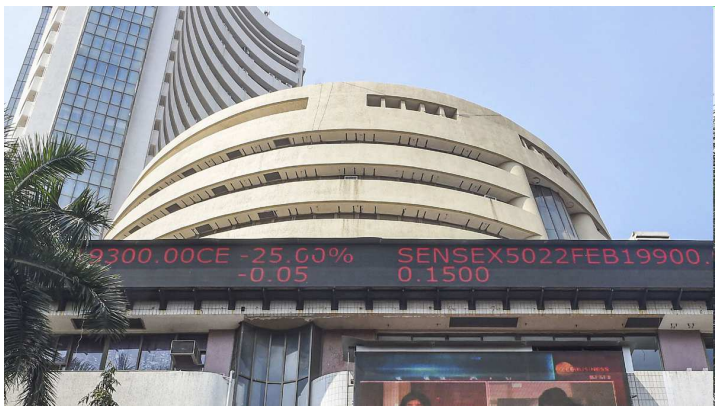

सू- दोकू क्र.83

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.82 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7

चंदा लेने का आरोप

अरविंद केजरीवाल के खिलाफ एनआईए जांच की सिफारिश की गई है। उन पर प्रतिबंधित आतंकी संगठन सिख्स फॉर जस्टिस से देवेन्द्र पाल भुल्लर की रिहाई की एवज में 1.6 करोड़ डॉलर बतौर चंदा लेने का आरोप है।

दिल्ली के उपराज्यपाल ने वीके सक्सेना ने विश्व हिन्दू महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव आशु मोंगिया के साक्ष्य-आधारित आरोप के मद्देनजर एनआईए जांच की अनुशंसा की है। केजरीवाल पहले से ही आबकारी नीति मामले में जेल में हैं, जिसमें जमानत पर मंगलवार को सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुरक्षित रख लिया। इसके एक दिन पहले जांच की सिफारिश की गई है। ताजा आरोप केजरीवाल के वर्तमान और भविष्य के लिए एक नये फंदे की तरह है।

पंजाब के खालिस्तान आंदोलन के दौरान भुल्लर का रक्तरंजित इतिहास रहा है। वह खालिस्तान लिबरेशन फ्रंट से जुड़ा कुख्यात आतंकी है, जिसने दिल्ली की रायसीना रोड स्थित युवक कांग्रेस मुख्यालय के सामने 11 सितम्बर, 1993 को बम विस्फोट कर राजधानी को दहला दिया था। इसमें 11 लोग मौके पर ही मारे गए थे। जाहिर तौर पर यह मामला मौजूदा कानून के मुताबिक देशद्रोह की कोटि में आता है। ऐसे में चंदे का आरोप सिद्ध हो गया, जैसा कि उपराज्यपाल का मोंगिया के सुपुर्द किए साक्ष्यों के आधार पर दावा है, तो केजरीवाल राजनीतिक बियावान में जा सकते हैं।

एक वीडियो में खालिस्तान समर्थक आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू को यह कहते सुना-देखा गया है कि केजरीवाल की आम आदमी पार्टी सरकार को 2014 से 2022 के दौरान खालिस्तान समर्थक समूहों से 1.6 करोड़ डॉलर की फंडिंग मिली थी। फिर भी आप को इसमें राजनीतिक षड्यंत्र लगता है। इसका मकसद आम चुनाव से केजरीवाल को दूर रखना है। उसे लगता है कि उपराज्यपाल भाजपा के एजेंट की तरह काम कर रहे हैं, जबकि उन्हें सांविधानिक एजेंट के रूप में काम करना चाहिए।

इस पद की व्यवस्था केंद्र-राज्य सरकारों के बीच समन्वयक एवं संकटमोचक दायित्व-पूर्ति के लिए की गई है। आप ने यह खुलासा नहीं किया है कि उसके आरोप का आधार क्या है? पर ऐसे गंभीर आरोप किसी भी पार्टी या सरकार की मुखिया के विरुद्ध लगे तो उसकी जांच की सिफारिश उपराज्यपाल का संवैधानिक दायित्व है। इसे केवल चुनाव या जमानत पर सुनवाई की टाइमिंग या इस बिना पर भी स्थगित नहीं किया जा सकता कि ये आरोप किसी खास संगठन की तरफ से लगाए जा रहे हैं।(आरएनएस)

महिला की मौत पर पति सहित पांच लोगों पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। महिला की मौत पर पति सहित पांच लोगों पर गैर इरादतन हत्या का पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बसंत विहार क्षेत्र में किराये पर रहने वाली मुजफ्फरनगर निवासी महराज ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बेटी शारदा का विवाह पिपलशाह तितावी मुजफ्फरनगर निवासी रोहित के साथ हुआ था। उसने बताया कि कुछ दिन पूर्व उसकी बेटी का उसको फोन आया कि उसके ससुराल वाले उसको मार देंगे तथा वह बुलेट मोटरसाईकिल व एक लाख रूपये नगद की मांग कर रहे है। उनकी मांग पूरी नहीं हुई तो यह लोग उसको जान से मार देंगे। अभी दो दिन पहले उसको शारदा के ससुराल वालों ने फोन करके बताया कि उसकी बेटी की तबियत खराब है तथा वह कैरोनेशन अस्पताल में भर्ती है। वह अपने जान पहचान के लोगों के साथ कैरोनेशन अस्पताल पहुंची तो वहां पर चिकित्सकों ने उसकी बेटी को मृत घोषित कर दिया। महिला ने आरोप लगाया कि उसके बेटी को उसके पति रोहित, ससुर राकेश, सास रेखा, ननद शशि व ननदोई मोनू ने दहेज की मांग पूरी ना होने पर मार दिया है। पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

एविएशन इंडस्ट्री में कैसे बनाएं करियर

यदि आपका व्यक्तित्व आकर्षक है, हिन्दी और अंग्रेजी भाषा पर अच्छी पकड़ है, आपकी न्यूनतम योग्यता किसी भी विषय से बाहरवीं है, आपकी ऊंचाई 157 से 170 सेंटीमीटर के बीच है और आपकी आयु 17 से 26 वर्ष के बीच है, तो यह क्षेत्र आपके लिए ही है। इस कोर्स की एक वर्ष की अवधि होती है।

ग्राउंड स्टाफ: आम तौर 6 माह से 1 वर्ष तक के डिप्लोमा इन एयरपोर्ट ग्राउंड सर्विस मैनेजमेंट कोर्स में एयरपोर्ट टर्मिनोलॉजी, चेक-इन प्रोसिजर, एयरपोर्ट सिक्योरिटी, कार्गो रूल्स, एयरपोर्ट सिग्नल्स सहित पर्सनेलिटी ग्रूमिंग को शामिल किया जाता है। न्यूनतम योग्यता में 18 से 26 वर्ष तक की आयु और न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ किसी भी विषय में 12 वीं तक शिक्षा जरूरी है।

एयर कार्गो मैनेजमेंट: 6 माह से 9 माह तक के डिप्लोमा इन इंटरनेशनल एयर कार्गो मैनेजमेंट कोर्स में आप एविएशन हिस्ट्री एवं जियोग्राफी के अतिरिक्त कार्गो लॉ, कस्टम्स रूल्स, वेयरहाउसिंग, एयरक्राफ्ट लिमिटेशन व लोडिंग कैपेसिटी, क्लीयरेंस प्रोसिजर, क्लेम रूल्स, बीमा और फ्री ट्रेड जोन जैसे विषयों से रूबरू होते हैं। इस क्षेत्र में भी प्रवेश के लिए आपको न्यूनतम 12 वीं की शैक्षणिक योग्यता और 18 वर्ष से ऊपर की आयु चाहिए।

19 किलो डोडा पोस्त सहित हिमाचल का तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

टिहरी। नशे के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस को कल देर शाम खासी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एक नशा तस्कर को दबोच कर उसके पास से 19 किलो 100 ग्राम डोडा पोस्त व तस्करी में प्रयुक्त बाइक भी बरामद की है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम थाना कैम्पटी पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर भारी मात्रा में नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को लगभग 6.10 बजे नैनबाग चौकी के समीप बाइक सवार एक संदिग्ध आता हुआ दिखायी दिया।

पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह बाइक छोड़कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। बाइक में रखे बैग से पुलिस ने करीब 19 किलो 100 ग्राम डोडा पोस्त बरामद किया। पूछताछ में उसने अपना नाम नाजिम हसन पुत्र मोहम्मद यासीन निवासी ग्राम पलहौडी थाना माजरा तहसील पौंटा साहिब जिला सिरमौर हिमाचल प्रदेश बताया। बताया कि उस पर पूर्व में भी हिमाचल प्रदेश में एनडीपीएस एक्ट का मुकदमा दर्ज है। पुलिस के अनुसार आरोपी आदतन तथा शातिर किस्म का अपराधी है। बहरहाल पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। आरोपी को पकड़ने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष कैम्पटी अमित शर्मा, उप निरीक्षक प्रशिक्षु राकेश डिमरी, अ.उ.नि. प्रमोद रावत चौकी नैनबाग कैम्पटी, हे.का. अकबर अली, कांस्टेबल राजेंद्र नेगी शामिल रहे।

100 नशीले इंजेक्शन सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। नशा तस्करी में लिप्त दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से 100 नशीले इंजेक्शन व तस्करी में प्रयुक्त बाइक भी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना खटीमा पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को खटीमा बाईपास कुटरी, के समीप बाइक सवार दो संदिग्ध आते हुए दिखायी दिये। पुलिस ने जब उन्हे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उनके पास से 100 नशीले इंजेक्शन बरामद हुए। पूछताछ में उन्होने अपना नाम जसवंत सिंह उर्फ जस्सी पुत्र हरदीप सिंह व कृष्णा सिंह पुत्र जोगेन्द्र सिंह निवासी टुकड़ी थाना नानकमत्ता बताया। पुलिस ने उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया है।

अवैध सम्बन्धों को लेकर मंगेतर ने ही की...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने बताया कि 4-5 साल संबंध में रहने पर उसकी सौकिना के साथ सगाई हो रखी थी लेकिन सगाई के बाद उसे सौकिना के अवैध सम्बन्ध अन्य व्यक्तियो के साथ होने की जानकारी मिलने के साथ ही कुछ आपत्तिजनक फोटो भी मिले जिसमें वह किसी गैर मर्द के साथ आपत्तिजनक स्थिति में थी। इस पर उसने शहराज ने कई बार किनारा करने का प्रयास किया लेकिन मृतका द्वारा शादी न करने पर उसे मुकदमे में फंसाने की बात कहने पर उसने मजबूरन अपने कदम वापस ले लिये। बताया कि हत्या के दिन मृतका ने कहीं घुमने की गुजारिश की तो शहराज अपने ही गांव के लड़के के साथ उसकी मोटर साईकिल पर अपनी मंगेतर को लेकर शाहमंसूर के जंगल में गए। वहां शहराज ने अपने दोस्त को मजार देखने भेज दिया और मौका पाकर दुपट्टे से गला घोटकर सौकिना का कत्ल कर दिया। इसके बाद शहराज ने पहले सौकिना के शव बरसाती नाले के रेत में दबाया और फिर मृतका का मोबाईल तोडकर नवादा जाने वाले रास्ते पर पुल के पास फैंक दिया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर बताई गई जगह से मृतका के मोबाईल के कुछ टूटे हुये पार्ट बरामद किये गये है। बहरहाल पुलिस ने हत्यारोपी मंगेतर को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

मुख्यमंत्री धामी ने जनता से फीडबैक लेकर, अधिकारियों को दिए निर्देश

श्रद्धालुओं का सहभागी बनकर यात्रा संपन्न करवानी है: मुख्यमंत्री

संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं के संबंध की समीक्षा करते हुए चार धाम ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाएं जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा आने वाले साल में भी चार धाम यात्रा और अधिक बढ़ने वाली है। चारधाम यात्रा, कावड़ यात्रा, पूर्णागिरी यात्रा सहित प्रदेश के अंदर संपन्न होने वाली विभिन्न यात्राओं के कुशल प्रबंधन और संचालन हेतु आवश्यकता अनुसार यात्रा प्राधिकरण की ओर भी विचार किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में प्रवेश कर रहे प्रत्येक श्रद्धालु को चार धाम के दर्शन करवाना हम सभी की जिम्मेदारी है। हमने श्रद्धालुओ का सहभागी बनकर यात्रा संपन्न करवानी है। उन्होंने यात्रा को लेकर अधिकारियों को हमेशा अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए। उन्होंने होल्डिंग पॉइंट्स पर सभी मूलभूत सुविधाओं के साथ ही शौचालयो

की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। अत्यधिक भीड़ बढ़ने पर गाड़ियों की निकासी हेतु वैकल्पिक मार्गो पर विचार किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को यात्रा मार्ग पर नियमित रूप से सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी छुट्टियों एवं वीकेंड के दृष्टिगत भी सभी तैयारियां पूर्ण करें। उन्होंने हरिद्वार, देहरादून, पौड़ी, टिहरी, रूद्रप्रयाग, चमोली एवं उत्तराकाशी के जिलाधिकारी एवं प्रशासन से आपसी समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा सभी अधिकारी ग्राउंड में जाकर श्रद्धालुओ से फीडबैक भी लें ताकि समय रहते छोटी कमियों को भी दूर किया जाए ।

मुख्यमंत्री को जिला अधिकारी चमोली हिमांशु खुराना ने बताया कि बीते शुक्रवार को बद्रीनाथ धाम में करीब 13000 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। उनके द्वारा हेमकुंड साहिब यात्रा का भी पैदल मार्गो से निरीक्षण किया गया है। जहां सभी व्यवस्थाओं को यात्रा से पहलेपूर्ण कर लिया जायेगा। जिला अधिकारी उत्तरकाशी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने बताया कि बीते शुक्रवार को 15800 यात्रियों ने यमुनोत्री धाम के दर्शन किए, साथ ही गेट सिस्टम के माध्यम से निरंतर यमुनोत्री और गंगोत्री को श्रद्धालु भेजे जा रहे हैं। विभिन्न होल्डिंग पॉइंट्स पर प्रशासन द्वारा सभी मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था की गई है।

बैठक में मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, प्रमुख सचिव आरके सुधांशु , सचिव अरविन्द सिंह ह्यांकी, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पाण्डेय, जिलाधिकारी देहरादून सोनिका, जिलाधिकारी हरिद्वार श्री धीराज गर्ब्याल, जिला आधिकारी टिहरी मयूर दीक्षित, जिला आधिकारी रूद्रप्रयाग सौरव गहरवार, एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

32 लाख का जमीनी फर्जीवाड़ा करने वाला गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार में जमीन बेचने के नाम पर 32 लाख रूपये की धोखाधड़ी करने वाले एक शातिर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते दिनों मदन लाल पुत्र स्व. कन्हैया लाल निवासी काली माता मंदिर बहादराबाद थाना बहादराबाद जनपद हरिद्वार द्वारा कोतवाली ज्वालापुर पर सूचना देकर बताया गया था कि रमेश नाथ पुत्र चेला महंत शिवनाथ निवासी लाल मंदिर कॉलोनी कोतवाली

ज्वालापुर द्वारा ऊंचा पुल लाल मंदिर स्थित मंदिर की जमीन को अपना बताकर जमीन बेचने के नाम पर धोखाधड़ी करते कर 32 लाख रूपये हड़प लिये गये। मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गयी। आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस टीम को बीते रोज सूचना मिली कि उक्त प्रकरण में शामिल व्यक्ति क्षेत्र में मौजूद है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तत्काल बताये गये स्थान पर दबिश देकर रमेश नाथ पुत्र चेला महंत शिवनाथ निवासी लाल मन्दिर कोतवाली ज्वालापुर को पीठ बाजार कोतवाली ज्वालापुर से गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसे आज न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

मोबाइल लूट की घटना को अंजाम देने वाले तीन गिरफ्तार, माल बरामद

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने मोबाइल लूट की घटना का खुलासा करते हुए तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूटा गया मोबाइल बरामद कर लिया। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यशवंत सिंह रावत निवासी गली नंबर 3, बीस बीघा ऋषिकेश के द्वारा कोतवाली ऋषिकेश में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 15 मई की रात्रि लगभग सवा दस बजे उनका छोटा बेटा अभिषेक रावत अपनी दुकान से घर जा रहा था, थोड़ी दूर पर हाई कोर्ट गेस्ट हाउस के सामने एक सफेद रंग की स्विफ्ट कार में बैठे लोगों के द्वारा उनके बेटे से उसका ओप्पो कंपनी का मोबाइल फोन लूट कर फरार हो गए, जिन्हें उनके बेटे द्वारा रोकने की कोशिश की गयी, जिसमें उनका बेटा घायल हो गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

घटना के खुलासे के लिए एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए महत्वपूर्ण जानकारियां एकत्रित की गई तथा घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेजों को चैक किया गया। पुलिस द्वारा किये गये प्रयासो से 17 मई को घटना में शामिल तीन लोगों को वीरभद्र मंदिर के पास से गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन एवं घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की गई। तीनों आरोपी नशे के आदी हैं, नशे की पूर्ति के लिए उनके द्वारा घटना को अंजाम दिया गया,तीनों आरोपियों के विरुद्ध पूर्व में भी चोरी, वाहन चोरी, चेन स्नेचिंग, आर्म्स एक्ट जैसे संगीन अपराधों के कई अभियोग पंजीकृत है, जिनमे पूर्व में जेल जा चुके हैं। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम शुभम पुत्र गोविंद चंद, निवासी कृष्ण नगर कॉलोनी, आईडीपीएल, ऋषिकेश, विवेक शर्मा पुत्र ज्योति शर्मा, निवासी कृष्ण नगर कॉलोनी आईडीपीएल, ऋषिकेश, चंद्रशेखर पुत्र मदन लाल, निवासी कृष्ण नगर कॉलोनी आईडीपीएल, ऋषिकेश बताये। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह तीनो नशे के आदि है, घटना वाले दिन भी तीनो ने नशा किया हुआ था तथा नशे की पूर्ति के लिये तीनो ने राह चलते व्यक्तियो से मोबाइल फोन लूटकर उसे बेचने की योजना बनायी थी, घटना वाले दिन शुभम स्विफ्ट डिजायर कार लेकर आया, तीनो उसमें बैठकर कृष्णा नगर कॉलोनी से वीरभद्र रोड पर चल दिए, फिर हाईकोर्ट गेस्ट हाउस के पास से एक राह चलते लड़के से फोन करने के बहाने मोबाइल फोन लूटकर भाग गए थे तथा आज उस मोबाइल को अपने नशे की पूर्ति के लिये बेचने की फिराक में थे। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत मे जेल भेज दिया।

एक नजर

चुनाव प्रचार के दौरान कन्हैया कुमार को मारा थप्पड़, वीडियो वायरल

नई दिल्ली (हसं)। उत्तर पूर्व दिल्ली में चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार कन्हैया कुमार पर हमले का मामला सामने आया है। इस दौरान गले में माला पहनाने के बहाने आए एक युवक ने कन्हैया कुमार को थप्पड़ मार दिया। जिसके बाद मौके पर ही हाथापाई हो गयी। घटना उत्तर पूर्व दिल्ली के उस्मानपुर थाना क्षेत्र के कर्तार नगर की बतायी जा रही है। इस दौरान आम आदमी पार्टी की महिला पार्षद छाया शर्मा के साथ भी बदसलूकी की गई। जिसकी महिला पार्षद ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने पर पता चला कि एक युवक कन्हैया कुमार के पास आता है और पहले तो उन्हें माला पहनाता है, उसके बाद हमला कर देता है। हालांकि, भीड़ में मौजूद कन्हैया कुमार के समर्थकों ने युवक को तुरंत पकड़ लिया है। उधर इस मामले में कन्हैया कुमार पर हमला करने वाले आरोपी का भी एक वीडियो सामने आया है। इसमें दोनों आरोपी कह रहे हैं कि देश को तोड़ने की बात करने वाले का यही हाल होगा। हमने ये मिसाल कायम कर दी है कि जो भारतीय सेना का अपमान करेगा, उसका यही हाल होगा, हमने भारतीय सैनिकों के अपमान का बदला लिया है। वीडियो में दोनों आरोपी ये भी कह रहे हैं कि हमें किसी पार्टी से कोई लेना-देना नहीं है, हमने किसी संगठन के कहने पर ये काम नहीं किया है हमने ये अपने दिल की बात से किया है।

किर्गिस्तान में हिंसा के बीच दूतावास ने छात्रों को घर के अंदर रहने की दी सलाह

नई दिल्ली। किर्गिस्तान की राजधानी में अंतरराष्ट्रीय छात्रों को निशाना बनाने वाली भीड़ की हिंसा के बीच भारत और पाकिस्तान ने शनिवार को बिश्केक में छात्रों को घर के अंदर रहने की सलाह दी। जबकि किर्गिस्तान में भारतीय दूतावास ने कहा कि हम अपने छात्रों के संपर्क में हैं। स्थिति फिलहाल शांत है लेकिन छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे फिलहाल घर के अंदर ही रहें और किसी भी समस्या के मामले में दूतावास से संपर्क करें। हमारा 24-7 संपर्क नंबर 0555710041 है। सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई एक सलाह में, दूतावास ने कहा कि 13 मई को किर्गिज और मिस्र के छात्रों के बीच लड़ाई के वीडियो शुक्रवार को ऑनलाइन वायरल होने के बाद मामला बढ़ गया। शबिश्केक में मेडिकल विश्वविद्यालयों के कुछ छात्रावासों और पाकिस्तानियों सहित अंतरराष्ट्रीय छात्रों के निजी आवासों पर हमला किया गया है। छात्रावासों में भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के छात्र रहते हैं। इसमें कहा गया है, श्पाकिस्तान से कई छात्रों के हल्की चोटों की खबरें आई हैं। पाकिस्तानी छात्रों की कथित मौत और बलात्कार के बारे में सोशल मीडिया पोस्ट के बावजूद, अब तक हमें कोई पुष्ट रिपोर्ट नहीं मिली है।

खुद ही खुद पर हमला करवा सकते हैं कन्हैया कुमारः मनोज तिवारी

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली से कांग्रेस उम्मीदवार कन्हैया कुमार पर शुक्रवार को हमला हुआ। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। उत्तर पूर्वी दिल्ली के थाना उस्मानपुर इलाके के करतार नगर में कन्हैया कुमार को माला पहनाने के बहाने आए कुछ लोगों ने हमला किया। उन्होंने कन्हैया कुमार के पास जाकर उनको थप्पड़ मारा। इस हमले के बाद से तमाम राजनीतिक दलों की प्रतिक्रिया सामने आ रही है। इस बीच कन्हैया कुमार के खिलाफ लड़ने वाले बीजेपी उम्मीदवार मनोज तिवारी का बयान भी सामने आया है।

बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने कहा, ऐसा होना नहीं चाहिए। लोगों को अपने गुस्से पर काबू रखना चाहिए। हालांकि, मुझे ऐसा लगता है कि खुद ही खुद पर हमला करवा सकते हैं, क्योंकि अब कोई ध्यान नहीं दे रहा है। वह जिसके भी घर पर चले जाते हैं या किसी के साथ घूम लेते हैं तो उनके रिश्तेदारों के फोन आने लगते हैं कि देशद्रोही के साथ क्यों घूम रहे हो? मैं एक प्रत्याशी हूं और मेरा ये मानना है कि भले ही लोगों को कन्हैया कुमार को प्रत्याशी के तौर पर देख कर गुस्सा आता हो, उसी गुस्से में कांग्रेस टूट भी गई है, फिर भी ऐसे गुस्से से बचना चाहिए।

'ओल्ड इज गोल्ड नाइट' का आयोजन 19 को

संवाददाता

देहरादून। स्वरांजलि द्वारा ओल्ड इज गोल्ड नाइट बाय स्वरांजलि का 19 मई को आयोजन किया जा रहा है। जिसमें पुराने गानों को पुनर्जीवित कर संगीत के दिग्गजों को श्रद्धांजलि दी जायेगी।

आज यहां परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए कार्यक्रम के संयोजक संदीप गुप्ता ने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी हम स्वरांजलि द्वारा संगीतमय शाम 'ओल्ड इज गोल्ड नाइट' का आयोजन करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। यह कार्यक्रम सर्वे चौक स्थित आईआरडीटी ऑडिटोरियम में किया जायेगा। जिसमें शहर के कई गायक किशोर कुमार, मौहम्मद रफी, आशा भोंसले और लता मंगेशकर सहित कई मशहूर गायकों के रेट्रो बॉलीवुड गाने प्रस्तुत करेंगें।

गुप्ता ने बताया कि हम पिछले 12 वर्षो से इस कार्यक्रम का आयोजन करते आ रहे हैं और इस कार्यक्रम के पीछे हमारा उददेश्य पुराने गानों को पुनर्जीवित करना है साथ ही संगीत के दिग्गजों को श्रद्धांजलि देना है। उन्होंने बताया कि हमने इस कार्यक्रम में सभी के लिए प्रवेश निःशुल्क रखा है क्योंकि इस संगीतमय शाम की मेजबानी सभी आयोजकों का संगीत के प्रति उनके जुनून का प्रतीक है। हर साल हम इस अवसर पर पिछले साल से बेहतर बनाने का प्रयास करते हैं। इस अवसर पर महबूब आलम ने कहा कि कलाकार अपनी पसंद के गीत गाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत मौजूद होंगे। जबकि कार्यक्रम में सम्मानीय अतिथि के रूप में उत्तराखण्ड पुलिस के अतिरिक्त महानिदेशक आईपीएस अमित कुमार सिन्हा और विशिष्ट अतिथि के रूप में एनआईसी उत्तराखण्ड के निदेशक (आईटी) संजय गुप्ता मौजूद होंगे। प्रेस वार्ता में राजेश गोयल, डॉ. विनोद गुप्ता, अरूण गुप्ता, नरेश आनंद और रोहित चंद्रा भी मौजूद रहे।

चारधाम यात्राः चैक पोस्टों पर जाचे जा रहे है रजिस्ट्रेशन व ग्रीन कार्ड

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। उत्तराखंड में चारधाम के कपाट खुलने के पश्चात यात्रा के लिए उमड़ रही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच उत्तराखण्ड सरकार द्वारा जारी किए गए निर्देशों को अमलीजामा पहनाने के लिए पुलिस लगातार जुटी हुई है। इस क्रम में विभिन्न चैकपोस्टों पर पुलिस द्वारा रजिस्ट्रेशन व ग्रीन कार्ड चैक किये जा रहे है। जानकारी के अनुसार जनपद के नारसन एवं चिड़ियापुर सहित चयनित किए गए बॉर्डर्स पर नियुक्त फोर्स द्वारा वाहनों के कागजात चैक करने के पश्चात चारधाम यात्रा रजिस्ट्रेशन एवं ग्रीन कार्ड धारक वाहनों को ही चारधाम यात्रा के लिए बॉर्डर से छोड़ा जा रहा है जिन यात्रियों एवं वाहन द्वारा रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया नहीं की गई है उन्हें आवश्यक जानकारी दी जा रही है। जिससे कि वह भी अपनी यात्रा पूर्ण कर सके। पुलिस की सभी यात्रियों एवं आमजन से अपील की गयी है कि सकारात्मक व्यवस्था बनाने में वह पुलिस का सहयोग करें।

अज्ञात वाहन व कार की भिड़ंत, दो की मौत एक गम्भीर घायल

हमारे संवाददाता

नैनीताल। सड़क दुर्घटना में देर रात एक अज्ञात वाहन की चपेट में आकर कार सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी वहीं एक महिला गम्भीर रूप से घायल हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर दोनो शवों को कब्जे में लेकर घायल महिला को अस्पताल पहुंचाया जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। वहीं पुलिस द्वारा अब दुर्घटना का कारण बने वाहन की तलाश की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कालाढूंगी थाना क्षेत्रांतर्गत दाबका पुल के पास गैबुआ में हल्द्वानी से रामनगर की ओर आ रही मारुति अल्टो कार को देर रात अज्ञात वाहन द्वारा भीषण टक्कर मार दी गयी। बताया जा रहा है कि टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों के नाम उपेंद्र उर्फ सनी और नवाज खान बताये जा रहे हैं। दोनों ही मृतक हल्द्वानी निवासी बताए जा रहे हैं।

हादसे की सूचना मिलने पर मौके पर पहुँची पुलिस ने दोनो शवों को कब्जे में लेकर घायलों को इलाज के लिए रामनगर अस्पताल पहुँचाया। बताया जा रहा है कि कार सवार रामनगर की ओर जा रहे थे। तभी किसी अज्ञात वाहन से उनकी भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद टक्कर मारने वाला वाहन मौके से भाग गया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के समय कार में तीन महिलाएं भी सवार थी जिसमें से एक रूपा नाम की महिला गंभीर रूप से घायल हुई है। उसे उपचार के लिये 108 एंबुलेंस के माध्यम से रामनगर के संयुक्त चिकित्सालय लाया गया। कार में दो और महिलायें योगिता और मीनू भी थी जो हादसे का शिकार होने से बाल बाल बच गयीं है। बहरहाल पुलिस अब हादसे का कारण बने वाहन की तलाश में जुटी हुई है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।